हरिभूमि
# सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार, 8 जून 2025

11 सट्टेबाजी ऐप के माध्यम से ठगी करने पर आरोपी काबू

12 खरड़ अलीपुर की टीम ने ओपन सर्कल कबड्डी कप जीता

## खबर संक्षेप

### नायब तहसीलदार ने किया बूथों का निरीक्षण

**सिरसा।** कालांवाली नगरपालिका चुनाव को लेकर उपमंडल प्रशासन भी तैयारियों में जुट गया है। नगरपालिका चुनाव को लेकर नायब तहसीलदार कंवरदीप सिंह ने नपा सचिव गिरधारी लाल को साथ लेकर मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शहर में बनाए गए 16 मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को जांचा और चुनाव से पहले बिजली, पानी, शौचालयों सहित कई कमियों को दूर करने के लिए दिशा-निर्देश दिए।

### रेल की चपेट में आने से युवक गंभीर रूप से घायल

**भट्टूकलां।** भट्टूकलां रेलवे स्टेशन पर शनिवार दोपहर को सिरसा से लुधियाना जाने वाली ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को उपचार के लिएसामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाया गया वहां से प्राथमिक उपचार के बाद अग्रोहा रेफर कर दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर को गांव चुली बागडिया निवासी देवीलाल पुत्र कृष्ण कुमार रेल लाइन क्रॉस कर रहा था इसी दौरान हादसा हो गया।

### सड़क हादसे के आरोपी ऑटो चालक गिरफ्तार

**फतेहाबाद।** फतेहाबाद पुलिस ने बीघड़ रोड पर हुए सड़क हादसे के मामले में आरोपी ऑटो चालक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान धर्मचंद पुत्र चमन लाल निवासी डीएसपी रोड, फतेहाबाद के रूप में हुई है। पूछताछ के बाद पुलिस द्वारा उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया। थाना शहर फतेहाबाद प्रभारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 29 मई को हिसार के गांव मोहम्मदपुर निवासी अमित की शिकायत पर केस दर्ज किया था।

### मारपीट मामले में आरोपी को किया गिरफ्तार

**फतेहाबाद।** भट्टूकलां पुलिस ने लड़ाई झगड़ा करने के मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान मनेश कुमार पुत्र राम सिंह निवासी भट्टूकलां के रूप में हुई है। पूछताछ के बाद उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया। थाना भट्टूकलां प्रभारी ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 31 मई को गांव बनमंदौरी निवासी आनन्द कुमार की शिकायत पर केस दर्ज किया था।

### स्कूली विद्यार्थियों ने जाने ऐतिहासिक स्थल

**सिरसा।** सेठ सागरमल सुराणा जैन कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में भारतीय भाषा ग्रीष्मकालीन उत्सव कैंप के तहत शनिवार को एक्टिविटी के अंतर्गत बच्चों ने नदियों, पहाड़ों, वनस्पतियों, जलवायु परिवर्तन, ऐतिहासिक स्थलों को मानचित्र पर चिह्नित कर गहन अध्ययन किया। विद्यालय प्रधानाचार्या रेणूबाला ने बताया कि भारत के प्रत्येक ऐतिहासिक स्थल की अपनी कहानी और महत्व है, जो भारत के समृद्ध इतिहास संस्कृति को दर्शाते हैं।

### जिलें के 11 कॉलेजों में 6526 सीटों पर एडमिशन के लिए छात्रों की संख्या अभी 20 फीसदी भी नहीं

# दिल्ली और चंडीगढ़ के कॉलेज बने पहली पसंद, जिले में पिछले साल 45 प्रतिशत सीटें रह गई थी खाली

सुरेन्द्र असीजा ▶▶| फतेहाबाद

कॉलेजों में यूजी कोर्सों में एडमिशन के लिए छात्र जिला की बजाय दिल्ली या चण्डीगढ़ का रूख कर रहे हैं। यही वजह है कि यहां एडमिशन के लिए छात्रों की कोई खास भीड़ नहीं उमड़ रही। जिले के टोहाना, रतिया, भूना व फतेहाबाद में निजी व सरकारी कुल 11 कॉलेज हैं, जिनमें 6526 सीटों पर एडमिशन होने हैं लेकिन एडमिशन के चाहवान छात्रों की संख्या अभी 20 फीसदी भी नहीं पहुंची। बता दें कि बीते वर्ष भी जिले के सभी कॉलेजों में 45 फीसदी सीटें खाली रह गई थी। कॉलेजों में सीटें खाली रहने और छात्रों का बड़े शहरों की तरफ रूझान बढ़ना बड़े सवाल खड़े करता है। खैर, अब जाते हैं जिले के कॉलेजों में दाखिले की स्थिति पर। बता दें कि जिले में आर्ट्स की 4020, कॉमर्स की 1290, साइंस की 1216 सीटें निर्धारित हैं।

उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा जारी पत्र में 9 जून अंतिम तारीख एडमिशन के ऑनलाइन आवेदन करने के लिए तय की गई है। है। 10 जून तक स्टूडेंट्स किये गए आवेदनों में अपनी त्रुटि में कोरेक्शन कर सकेंगे। 15 जून तक कॉलेजों को

## यूजी कोर्सों में दाखिले के लिए कल बंद हो जाएगा पोर्टल, विद्यार्थियों में नहीं दिख रहा उत्साह

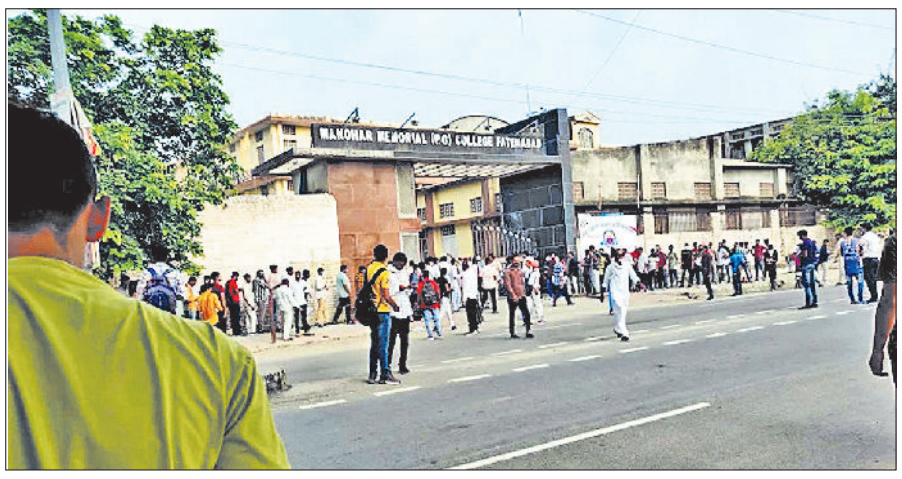

फतेहाबाद। एमएम कॉलेज के बाहर जमा विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

विद्यार्थियों के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की वेरिफिकेशन करनी होगी। मैरिट लिस्ट के आधार पर पात्र विद्यार्थियों की सूची 16 जून को चस्पा की जाएगी। इसके बाद कॉलेजों में एडमिशन को लेकर 19 जून को पहली कट ऑफ लिस्ट जारी होगी। फतेहाबाद के एमएम कॉलेज, राजकीय महिला महाविद्यालय भोडिया़खेड़ा व राजकीय महाविद्यालय डाइट मताना में एडमिशन को लेकर विद्यार्थियों में कोई खासा उत्साह नजर नहीं आ रहा है। एमएम कॉलेज में विद्यार्थियों की सहायता के लिए प्रबंधन समिति द्वारा हैल्प डेस्क भी लगाए गए हैं। उधर, एमएम कॉलेज में इस वर्ष से बीए में साइक्लॉजी विषय की कक्षाएं भी शुरू होने जा रही हैं। इसको लेकर विभाग द्वारा मंजूरी प्रदान की गई है।

### 2 जुलाई को बकाया सीटों के लिए दोबारा खुलेगा पोर्टल

कॉलेजों में 19 जून को पहली फाइनल मेरिट लिस्ट जारी की जाएगी। कॉलेजों में दाखिले के लिए स्टूडेंट्स पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करवा रहे हैं।

शहर के राजकीय महाविद्यालय मताना, राजकीय महिला महाविद्यालय भोडियाखेड़ा, एमएम कॉलेज सहित जिला में भूना, टोहाना में स्थित कॉलेज में एडमिशन की प्रक्रिया चल रही है। उच्चतर शिक्षा विभाग ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की फीस चैक के लिए भी लिंक जारी कर दिया है। इस लिंक पर जाकर स्टूडेंट्स अपनी जमा की गई रजिस्ट्रेशन की फीस को कन्फर्म कर सकेंगे कि फीस की पेमेंट सबमिट हुई या नहीं। कॉलेज दाखिले के जारी हुए शेड्यूल के अनुसार 16 जून तक विद्यार्थियों द्वारा किए गए रजिस्ट्रेशन की मेरिट लिस्ट तैयार की होगी। पहली प्रोविजनल कॉलेज की मेरिट लिस्ट 18 जून को जारी की जाएगी। पहली कट ऑफ लिस्ट 19 जून को जारी होगी। पहली सूची के विद्यार्थियों को 20 जून से 23 जून तक फीस जमा करवानी होगी। दूसरी कट ऑफ लिस्ट 26 जून को जारी होगी। पहली सूची के विद्यार्थियों को 27 जून से 29 जून तक फीस जमा करवानी होगी। 1 जुलाई को बची हुई सीटों के लिए फिजिकल काउंसलिंग होगी। 2 जुलाई को बकाया सीटों के लिए दोबारा ऑनलाइन एडमिशन पोर्टल खोला जाएगा। 3 जुलाई से 9 जुलाई तक खाली पड़ी सीटों पर फिजिकल काउंसलिंग होगी।

### एडमिशन के लिए आवश्यक दस्तावेज

*कॉलेज में एडमिशन के लिए स्टूडेंट को पोर्टल पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवाने के लिए आधार कार्ड, 10वीं व 12वीं कक्षा के प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, रिहायशी प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो, इनकम सर्टिफिकेट, ईमेल आईडी व अन्य दस्तावेज होना जरूरी हैं।*

### कॉलेज में बनाया गया है हैल्प डेस्क

*कॉलेज में एडमिशन के लिए उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा जारी शैडयूल के अनुसार एडमिशन की प्रक्रिया चल रही है। पोर्टल पर कल तक रजिस्ट्रेशन करवाया जा सकता है। कॉलेज में विद्यार्थियों की सुविधा के लिए हैल्प डेस्क बनाया गया है। कॉलेज की राजीव गांधी लाइब्रेरी के ऊपर बने कार्यालय में विद्यार्थी पंजीकरण करवा सकते हैं। पंजीकरण के लिए विद्यार्थियों को आवश्यक डॉक्युमेंट साथ लाने होंगे। इसके लिए मात्र 100 रुपये फीस निर्धारित की गई है। स्टूडेंट्स ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करते वक्त लापरवाही न बरतें। जल्दबाजी में छोटी चूक की वजह से एडमिशन में परेशानी हो सकती है।*

*-प्रो. गुरचरण दास, प्रिंसीपल एमएम कॉलेज*

### एमएम कॉलेज में कुल सीटें

- बी.ए. : 800
- बी.ए. पंजाबी ऑनर्स : 40
- बी.कॉम. : 240
- बी.बी.ए. : 60
- बी.एससी. मेडिकल : 60
- बी.एससी. नॉन मेडिकल : 80
- बी.सी.ए. : 100

*जिला उपभोक्ता अदालत ने लगाई फटकार*

## सनफ्लेम कंपनी की चिमनी खराब होने पर कंपनी और डीलर को माना दोषी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

- चिमनी की कीमत के साथ 7000 खर्चा पीड़ित उपभोक्ता को अदा करने के आदेश

जिला उपभोक्ता अदालत ने सनफ्लेम कम्पनी की चिमनी खराब निकले जाने पर कम्पनी व उसके डीलर को कड़ी फटकार लगाई है। अदालत ने इन्हें चिमनी की पूरी कीमत वापस करने के साथ-साथ 7 हजार रुपये खर्चा भी पीड़ित उपभोक्ता को अदा करने के आदेश दिए हैं। इस मामले में सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक अहरवां के मैनेजर संजीव कुमार गोयल ने उपभोक्ता अदालत में याचिका दायर की थी। इस मामले में खास बात यह है कि अदालत ने 60 दिनों में सुनवाई पूरी करते हुए अपना फैसला सुनाया है।

अदालत में चले मामले के अनुसार शिकायतकर्ता संजीव कुमार निवासी खजांचिया मोहल्ला, फतेहाबाद ने बताया कि वह सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक, अहरवां में बतौर प्रबंधक कार्यरत है। उसने 22 अक्टूबर 2021 को फतेहाबाद के संन्यास आश्रम रोड स्थित शर्मा इलेक्ट्रोनिक्स से एक चिमनी खरीदी थी। यह चिमनी सनफ्लेम कम्पनी द्वारा निर्मित थी और दुकानदार ने उसे 5 साल की गारंटी दी थी। संजीव कुमार ने बताया कि गारंटी पीरियड के दौरान ही चिमनी खराब हो गई। चिमनी में खराबी होने के कारण उसने रसोई का धुआं खींचना बंद कर दिया जिस कारण बहुत अधिक असुविधा होने लगी। इस पर उसने इस बारे पहले दुकानदार और बाद में कम्पनी को शिकायत की लेकिन उसकी कहीं कोई सुनवाई नहीं की। आखिरकार उसने एडवोकेट महेंद्र कुमार धारनिया की मार्फत कंपनी व डीलर को लीगल नोटिस भेजा। इसके बाद भी डीलर और कम्पनी की उपभोक्ता को कोई राहत नहीं दी, जिस पर उपभोक्ता संजीव कुमार ने 26 मार्च 2025 को उपभोक्ता अदालत में याचिका दायर कर दी।

## इग्नू की परीक्षाएं 12 जून से होंगी शुरू : डॉ. धर्मपाल

### इग्नू क्षेत्रीय केंद्र करनाल के अंतर्गत बनाए 40 परीक्षा केंद्र, जिसमें से 10 केन्द्र जेलों में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

इग्नू की परीक्षाएं 12 जून से शुरू होने जा रही है। यह परीक्षाएं 19 जुलाई को समाप्त होगी। इस बारे जानकारी देते हुए इग्नू क्षेत्रीय केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. धर्म पाल ने बताया कि हरियाणा के भिवानी, फतेहाबाद, हिसार, कैथल, करनाल, कुरुक्षेत्र, सिरसा, सोनीपत, पानीपत, रोहतक जिलों में इग्नू द्वारा कुल 40 परीक्षा केंद्र स्थापित किये गए है, जिनमे से 10 परीक्षा केंद्र हरियाणा की विभिन्न जेलों में स्थापित किये गए है। इग्नू की परीक्षाएं दो सत्र में होंगी प्रथम स्तर 10 बजे से 01 बजे तक और द्वितीय सत्र में 02 बजे से 05 बजे तक रहेगा। सभी परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षाएं व्यवस्थित एवं सुचारु रूप से संचालित करवाने के लिए सभी जरूरी इंतजाम किये जा रहे है। इसके लिए इग्नू क्षेत्रीय केंद्र करनाल की तरफ से सभी परीक्षा नियंत्रकों के लिए एक ओरिएंटेशन प्रोग्राम भी आयोजित किया गया, जिसमें परीक्षाओं से जुड़ी विभिन्न जानकारियाँ मुहैया करवाई गई। उन्होंने बताया कि जून-जुलाई माह में होने वाली परीक्षाओं में जिला करनाल के अंतर्गत कुल 3 परीक्षा केंद्र स्थापित किये है जिनमे से एक परीक्षा केंद्र करनाल जेल में है। इसके आलावा बुद्धा कॉलेज और विनायक पॉलिटेक्निक कॉलेज में भी परीक्षा केंद्र स्थापित किये गए है। उन्होंने बताया कि इग्नू द्वारा हॉल टिकट इग्नू की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट इग्नु डॉट एसी डॉट इन पर अपलोड कर दिए है। विद्यार्थी अपने हॉल टिकट इग्नू की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते है। उन्होंने बताया की जिन विद्यार्थियों को अपना एनरोलमेंट कार्ड नहीं मिला है या उन्होंने डाउनलोड नहीं किया है, वे समर्थ पोर्टल पर जाकर अपना यूजर आईडी और पासवर्ड डालकर अपना एनरोलमेंट कार्ड डाउनलोड कर लें।

डॉ. धर्मपाल।

## केलनियां रोड पर घर को ताड़फोड़ कर सामान किया खुर्दबुर्द

- शिकायत पर पुलिस ने प्रोपर्टी डीलर सहित 9 के खिलाफ दर्ज किया मामला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

पुलिस ने वृद्धा किशन कौर विधवा दर्शन सिंह की शिकायत पर प्रोपर्टी डीलर सहित 9 लोगों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया है। अपनी शिकायत में किशन कौर ने बताया कि केलनियां रोड पर राजकीय प्राथमिक पाठशाला के नजदीक उसका घर था। जिसे उसके पति ने बनाया था। जिसमें उनके नाम से बिजली व पानी के कनेक्शन थे। उसने बताया कि आरोपियों ने उसके घर को कब्जाने के लिए 24 जुलाई 2017 को घर का सामान चोरी कर लिया। घर से एलईडी, पानी की मोटर, इंवर्टर-बैट्री, फ्रिज, पंखें, एसी, घरेलू बर्तन व बिस्तर से चोरी कर लिया। उसने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि आरोपियों ने फरवरी-2025 में जब वह अपनी पुत्रियों के पास गई हुई थी, उसके बिजली के दो मीटर भी चोरी कर लिया। उसे आरोपियों की ओर से लगातार धमकियां मिल रही थी, जिसकी वजह से उसने सिविल कोर्ट सिरसा में वाद दाखिल किया, जिस पर उसे स्टेटस को मिल गया। उसने बताया कि कोर्ट के फैसले के बावजूद 16 मई को आरोपियों ने जेसीबी की मदद से उसके घर को धाराशाही कर दिया।

## आधा किलो अफीम सहित दो तस्कर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

पुलिस ने सिरसा क्षेत्र से कार सवार दो अफीम तस्करों को आधा किलोग्राम अफीम सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक डॉ. मयंक गुप्ता ने शनिवार को बताया कि सीआईए पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर तस्करों को दबोचा है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम गश्त के दौरान जेजे कॉलोनी सिरसा से होते हुए चतरगढ़ पट्टी फाटक सिरसा की तरफ आ रही थी। पुलिस टीम जब जईया कोल्ड स्टोर के नजदीक पंहुची तो सामने से कार आती दिखाई दी। कार में सवार युवकों ने सामने पुलिस की गाड़ी को देखकर अचानक कार को वापस मोडक़र भागने का प्रयास किया। पुलिस ने शक के आधार पर कार

पकड़े गए अफीम तस्कर।

सवार युवकों को काबू कर तलाशी ली तो कार के गियर बॉक्स में 500 ग्राम अफीम बरामद हुई। उ न्हों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान आकाशदीप पुत्र बलजिंद्र सिंह निवासी साहुवाला प्रथम व काशवीर पुत्र गुरदीप सिंह उर्फ गिट्टा निवासी किंगरा जिला सिरसा के रुप में हुई है। गिरफ्तार किए गए युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

### *79 किलो चूरापोस्त बरामदी मामले में सप्लायर काबू*

*पुलिस ने लाखों रुपये का 79 किलो चूरापोस्त बरामदगी मामले में मुख्य सप्लायर को प्रोटेक्शन वांरट पर लेकर गिरफ्तार कर लिया है। सीआईए सिरसा प्रभारी प्रेम कुमार ने बताया की गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान खेता राम निवासी जिला बीकानेर राजस्थान के रुप में हुई है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी को अदालत में पेश कर चार दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया और रिमांड अवधि के दौरान आरोपी से पूछताछ कर चूरापोस्त तस्करी में संलिप्त अन्य लोगों के बारे में भी पता लगाया जा रहा है।*

*नशे के खिलाफ कार्रवाई*

## पुलिस ने सप्लायर युवक को किया गिरफ्तार, 6 ग्राम हेरोइन बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

नशा तस्करी व आपराधिक गतिविधियों पर कार्रवाई करते हुए शहर फतेहाबाद पुलिस ने एक हेरोइन सप्लायर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान प्रगट उर्फ निन्जा पुत्र सुबेग सिंह निवासी गांव बीघड़ के रूप में हुई है। थाना शहर फतेहाबाद प्रभारी उपनिरीक्षक ओम प्रकाश ने बताया कि यह कार्रवाई 18 मई को एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज एक मुकदमे के संबंध में की गई। पुलिस टीम एएसआई सुशील कुमार के नेतृत्व में गश्त पर थी। टीम जब मिनी बाईपास मोड़, स्वामी नगर, फतेहाबाद के पास पहुंची तो एक युवक पुलिस को देखकर संदिग्ध रूप से भागने लगा। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए युवक को दबोच लिया।

पूछताछ में उसकी पहचान सप्रीत उर्फ बाबू पुत्र अवतार सिंह निवासी मातूराम कॉलोनी, फतेहाबाद के रूप में हुई। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 6 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पूछताछ में सप्रीत ने खुलासा किया कि उसे यह नशीला पदार्थ प्रगट उर्फ निन्जा द्वारा सप्लाई किया गया था। इसी आधार पर पुलिस टीम ने तत्परता से गांव बीघड़ में छापेमारी कर प्रगट को गिरफ्तार कर लिया।

## मनरेगा में काम कर रही महिला की डूबने से मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| टोहाना

क्षेत्र के गांव पिरथला में मनरेगा के तहत नहर पर काम करते समय एक महिला मजदूर की नहर में डूबने से मौत हो गई। गांव नांगला की रहने वाली 38 वर्षीय महिला रिंकू शनिवार को गांव पिरथला गांव में नहर पर काम कर रही थी। इस दौरान उसका पैर फिसल गया और वह नहर में गिर गई। मौके पर काम करते समय मजदूरों ने उसे बचाने का प्रयास करते हुए नहर में छलांग लगा दी और करीबन आधे घंटे बाद उस नहर से बाहर निकाल लिया जिसके बाद महिला को नागरिक अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका के पति सुरजीत ने बताया कि नहर में बिना सुरक्षा उपकरणों के काम करवाया जा रहा था। इसी लापरवाही के कारण उसकी पत्नी की मौत हुई। गांव नांगला के सरपंच हरपाल ने मनरेगा और नहरी विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

### डिजिटल युग में साइबर अपराधी रोजाना अपना रहे ठगी के नए-नए तरीके

## सार्वजनिक स्थानों पर वाई-फाई का उपयोग करते समय रहें सतर्क : एसपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने नागरिकों से अपील की है कि वे सार्वजनिक स्थलों पर फ्री वाई-फाई का उपयोग करते समय सतर्कता बरतें, क्योंकि साइबर अपराधी इन माध्यमों से लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। उन्होंने बताया कि आज का युग डिजिटल युग है, जहां अधिकतर कार्य ऑनलाइन किए जाते हैं। चाहे वह शॉपिंग हो, बिल भुगतान या बैंकिंग से जुड़ी सेवाएं—हम मोबाइल, लैपटॉप और अन्य उपकरणों के माध्यम से इंटरनेट का प्रयोग करते हैं। किंतु, यही डिजिटल सुविधा साइबर अपराधियों के लिए एक अवसर बन जाती है। ये अपराधी विभिन्न तकनीकों का इस्तेमाल कर आपके डिवाइस को हैक कर आपकी निजी जानकारी चुरा लेते हैं। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि साइबर ठग भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों जैसे रेलवे स्टेशन, बस अड्डे, मॉल, कैफे आदि में फ्री वाई-फाई नेटवर्क उपलब्ध करवा कर लोगों को फांसते हैं। जैसे ही कोई उपयोगकर्ता ऐसे नेटवर्क से जुड़ता है, उसका सारा डाटा खतरे में आ जाता है। अपराधी बैंक डिटेल, पासवर्ड और अन्य गोपनीय सूचनाएं चुराकर पीड़ित के बैंक खाते को खाली कर देते हैं। उन्होंने कहा कि कभी भी अज्ञात या असुरक्षित वाई-फाई नेटवर्क से अपने मोबाइल, लैपटॉप या टैबलेट को कनेक्ट न करें।

### शिकार होने पर घबराएं नहीं, शिकायत करें

यदि आपसे कोई साइबर धोखाधड़ी हो जाती है, तो घबराएं नहीं। तुरंत निम्नलिखित माध्यमों से शिकायत दर्ज करवाएं राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930, साइबर क्राइम पोर्टल या निकटतम पुलिस स्टेशन या अपने बैंक को तुरंत सूचित करें। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस ने नागरिकों से अपील की है कि वे इंटरनेट का उपयोग सतर्कता से करें और किसी भी प्रकार की असामान्य गतिविधि को नजरअंदाज न करें। जागरूक रहकर ही हम साइबर अपराधों से बच सकते हैं।

# किसानों को सिर्फ 4% की दर से मिलेगा 5 लाख रु. तक का लोन

- केसीसी योजना के लिए लाभ लेना बहुत आसान, मिल रहे बड़े फायदे
- किसान, चाहे वह जमीन का मालिक हो या बटाइदार, कर सकते हैं आवेदन
- केंद सरकार ने लोन सीमा को 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख रुपये तक किया
- खेती, पशुपालन या मछली पालन के लिए ले सकते हैं किफायती लोन
- किसान क्रेडिट कार्ड योजना की शुरुआत 1998 में हुई थी
- इसका मकसद किसानों को खेती की जरूरतों के लिए सस्ता लोन उपलब्ध कराना

जानकारी
बिजनेस डेस्क

किसानों के लिए खेती को आसान और किफायती बनाने के मकसद से शुरू की गई किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना अब और भी फायदेमंद हो गई है। केंद्रीय बजट 2025-26 में केंद्र सरकार ने इस योजना की लोन सीमा को 3 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया था। इतना ही नहीं, इसकी ब्याज दर भी 4% सालाना है, जो किसानों के लिए बड़ा लाभ है। इसके साथ ही सरकार ने इस योजना की ब्याज सहायता (इंटरेस्ट सब्सिडी) को वित्त वर्ष 2025-26 तक बढ़ाने का फैसला किया है, जिससे किसानों को सस्ता लोन मिलना जारी रहेगा। यह खबर उन लाखों किसानों के लिए खुशखबरी है, जो खेती, पशुपालन या मछली पालन के लिए किफायती लोन की तलाश में हैं। आइए, इस योजना को विस्तार से समझते हैं और जानते हैं कि इसे लेना कितना आसान है।

## क्या है किसान क्रेडिट कार्ड योजना

किसान क्रेडिट कार्ड योजना की शुरुआत 1998 में हुई थी। इसका मकसद था किसानों को उनकी खेती की जरूरतों के लिए सस्ता और आसान लोन उपलब्ध कराना। इस योजना को भारत सरकार, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) और नाबार्ड ने मिलकर शुरू किया था। यह कार्ड किसानों को एक क्रेडिट लाइन देता है, जिसका इस्तेमाल वे बीज, खाद, कीटनाशक, कृषि उपकरण खरीदने पशुपालन और मछली पालन जैसे कामों के लिए कर सकते हैं। इस कार्ड की खासियत यह है कि यह 5 साल की वैलिडिटी के साथ आता है और समय पर लोन चुकाने पर ब्याज में छूट भी मिलती है।

### क्या हैं अतिरिक्त फायदे?

किसान क्रेडिट कार्ड के साथ कई अतिरिक्त फायदे भी मिलते हैं। मसलन, अगर फसल प्राकृतिक आपदा या कीटों के कारण खराब हो जाती है, तो बीमा कवरेज मिलता है। इसके अलावा, अगर किसान अपने केसीसी खाते में पैसे जमा करता है, तो उसे बचत खाते की तरह ब्याज भी मिलता है। साथ ही, कई बैंक केसीसी के साथ रुपे डेबिट कार्ड भी देते हैं, जिससे किसान आसानी से मंडियों या इनपुट डीलरों के साथ लेन-देन कर सकते हैं।

### बढ़ गई सीमा

हाल ही में सरकार ने किसान क्रेडिट कार्ड के तहत लोन की अधिकतम सीमा को 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया है। यह फैसला 2025 के बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लिया, जिसका मकसद किसानों को उनकी बढ़ती जरूरतों के लिए ज्यादा आर्थिक सहायता देना है। इस लोन पर सामान्य ब्याज दर 7% सालाना है, लेकिन सरकार 2% की ब्याज सहायता देती है। इसके अलावा, अगर किसान समय पर लोन चुका देते हैं तो उसे 3% की अतिरिक्त छूट मिलती है। इस तरह प्रभावी ब्याज दर सिर्फ 4% रह जाती है। यह सुविधा खेती के साथ-साथ मछली पालन और पशुपालन करने वाले किसानों के लिए भी उपलब्ध है।

### बढ़ाई गई ब्याज सहायता की डेडलाइन

केंद्र सरकार ने हाल ही में संशोधित ब्याज सहायता योजना को वित्त वर्ष 2025-26 तक बढ़ाने की मंजूरी दी है। इसका मतलब है कि किसानों को अगले वित्त वर्ष तक 4% की रियायती ब्याज दर पर लोन मिलता रहेगा। यह फैसला मई 2025 में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। इस कदम से देश के करीब 7.7 करोड़ किसानों, मछुआरों और डेयरी किसानों को फायदा होगा। यह योजना सुनिश्चित करती है कि किसानों को कम लागत पर कार्यशील पूंजी मिले, ताकि वे अपनी खेती को और बेहतर कर सकें।

### आसान है केसीसी बनवाना

किसान क्रेडिट कार्ड बनवाना बेहद आसान है। कोई भी किसान, चाहे वह जमीन का मालिक हो, किरायेदार किसान हो या बटाईदार, सभी इस योजना के लिए आवेदन कर सकता है। इसके लिए जरूरी डॉक्यूमेंट्स में आधार कार्ड, पैन कार्ड, जमीन के डॉक्यूमेंट और फसल की जानकारी शामिल होती है। आवेदन की प्रक्रिया ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से उपलब्ध है। ऑनलाइन आवेदन के लिए किसान को पीएम किसान योजना की वेबसाइट (**pmkisan.gov.in**) पर जाना होगा। वहां से केसीसी का फॉर्म डाउनलोड कर सकते हैं। फॉर्म में जमीन और फसल की जानकारी भरकर, जरूरी डॉक्यूमेंट्स के साथ इसे नजदीकी बैंक में जमा करना होता है।

### सिक्योरिटी की जरूरत नहीं

अगर ऑनलाइन प्रक्रिया में दिक्कत हो, तो किसान अपने नजदीकी बैंक शाखा में जाकर सीधे आवेदन कर सकता है। बैंक में एक साधारण फॉर्म भरना होता है, जिसमें जमीन के कागजात और पहचान पत्र जमा करने होते हैं। आमतौर पर, अगर सभी डॉक्यूमेंट सही हैं, तो 5 से 7 दिनों के अंदर बैंक लोन स्वीकृत कर देता है। इसके अलावा, 1.6 लाख रुपये तक के लोन के लिए कोई सिक्योरिटी देने की जरूरत नहीं होती। 3 लाख रुपये से ज्यादा के लोन के लिए जमीन या अन्य संपत्ति को सिक्योरिटी के तौर पर रखना पड़ सकता है। साथ ही, इस कार्ड के साथ किसानों को फसल बीमा और डेबिट कार्ड जैसी सुविधाएं भी मिलती हैं।

### कैसे करें इस्तेमाल?

किसान क्रेडिट कार्ड एक रिवॉल्विंग कैश क्रेडिट खाते की तरह काम करता है। इसका मतलब है कि किसान जरूरत के हिसाब से पैसे निकाल सकता है और चुकाने के बाद फिर से लोन ले सकता है। लोन की राशि फसल की कटाई और बिक्री की अवधि के आधार पर चुकानी होती है। किसान को साल में दो बार ब्याज और एक बार पूरी लोन राशि जमा करानी होती है। अगर समय पर भुगतान किया जाता है, तो अगले ही दिन नया लोन लिया जा सकता है। यह लचीलापन किसानों के लिए बड़ा फायदा है, क्योंकि वे अपनी जरूरतों के हिसाब से पैसे का इस्तेमाल कर सकते हैं।

### कौन उठा सकता है फायदा

यह योजना सिर्फ खेती करने वालों तक सीमित नहीं है। पशुपालन, मछली पालन, बागवानी या अन्य कृषि से जुड़े काम करने वाले लोग भी इसके लिए पात्र हैं। इसके अलावा, स्वयं सहायता समूह और संयुक्त देयता समूह भी इस कार्ड के लिए आवेदन कर सकते हैं। सरकार का मकसद है कि ज्यादा से ज्यादा किसानों को इस योजना का लाभ मिले, ताकि वे अपनी खेती को आधुनिक और लाभकारी बना सकें।

# 5 साल में 4 गुना रिटर्न, कम खर्च में तिहरा बेनिफिट दिया

**5 स्टार रेटिंग, कम खर्च वाले टॉप 5 इक्विटी फंड्स में तीन एचडीएफसी म्यूचुअल फंड के**

**इन स्कीम्स ने 5 साल में 32% तक रिटर्न देकर निवेशकों की दौलत कई गुना तक कर दी**

**इन सभी फंड का एक्सपेंस रेशियो यानी निवेश का खर्च 1 फीसदी से भी काफी कम यानी फायदा**

**बिजनेस डेस्क।** इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में पैसे लगाने वाले निवेशकों को हमेशा ऐसी स्कीम की तलाश रहती है, जिनकी रेटिंग अच्छी हो और जो कम से कम खर्च में हाई रिटर्न देने की क्षमता रखते हों। हम यहां ऐसे ही 5 इक्विटी फंड्स की जानकारी देने जा रहे हैं, जिन्हें 5 स्टार रेटिंग मिली हुई है और जो पिछले 5 साल में 32% तक एवरेज एनुअल रिटर्न दे चुके हैं। इतना ही नहीं, इन सभी फंड का एक्सपेंस रेशियो यानी निवेश का खर्च 1 फीसदी से भी काफी कम है। यानी इनमें निवेश करने वालों को बेस्ट रेटिंग, बेस्ट रिटर्न और कम खर्च का तिहरा बेनिफिट मिल रहा है। इन टॉप 5 में से तीन स्कीम्स एचडीएफसी म्यूचुअल फंड की हैं। ये सभी इक्विटी फंड, निवेश के मामले में फ्लेक्सिबल इनवेस्टमेंट स्ट्रैटजी पर चलते हैं। इस इनवेस्टमेंट स्ट्रैटजी में फंड मैनेजर लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स में फंड एलोकेशन अपनी मर्जी से तय करते हैं। इससे उन्हें बाजार के रुझान के हिसाब से एलोकेशन करके बेहतर रिटर्न हासिल करने का मौका मिलता हैं. साथ ही हर मार्केट सेगमेंट में निवेश करने की वजह से पोर्टफोलियो के डायवर्सिफिकेशन का लाभ भी मिलता है। जिन लोगों के पोर्टफोलियो में इक्विटी स्कीम्स की संख्या ज्यादा नहीं रहती उन्हें आमतौर पर एक ही स्कीम में बेहतर डायवर्सिफिकेशन के लिए ऐसे ही फंड्स में निवेश करने की सलाह दी जाती है।

### फ्लेक्सिबल स्ट्रैटजी वाले टॉप इक्विटी फंड

हम यहां जिन टॉप 5 इक्विटी फंड्स की चर्चा करने जा रहे हैं, वे सभी इसी फ्लेक्सिबल निवेश रणनीति को फॉलो करते हैं। दरअसल, किसी भी मार्केट सेगमेंट वाले स्टॉक्स में निवेश की छूट के कारण ही वैल्यू रिसर्च ने एचडीएफसी फोकस्ड 30 फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंडिया इक्विटी एफओएफ और एचडीएफसी रिटायमेंट सेविंग्स फंड (इक्विटी प्लान) को भी फ्लेक्सी कैप फंड की लिस्ट में शामिल किया है। इस लिस्ट में पराग पारीख फ्लेक्सी कैप फंड और एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड जैसी विशाल एसेट मैनेजमेंट वाली स्कीम्स भी शामिल हैं। इन सभी फंड्स को वैल्यू रिसर्च ने 5 स्टार रेटिंग दी गई है।

**1. एचडीएफसी फोकस्ड 30 फंड (डायरेक्ट प्लान) एम.एस.**
- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न : 31.95%
- 3 साल का औसत सालाना रिटर्न : 26.26%
- एक्सपेंस रेशियो : 0.61%
- एसेट अंडर मैनेजमेंट : 19,551 करोड़ रुपये
- 1 लाख का निवेश 5 साल में हुआ : 4,00,361 रुपये
- 10 हजार की मंथली **SIP** से 5 साल में जमा हुए : 11,62,044 रुपये

**2. एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड (डायरेक्ट प्लान)**
- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न : 31.22%
- 3 साल का औसत सालाना रिटर्न : 25.41%
- एक्सपेंस रेशियो : 0.73%
- एसेट अंडर मैनेजमेंट : 75,724 करोड़ रुपये
- 1 लाख का निवेश 5 साल में हुआ : 3,89,267 रुपये
- 10 हजार की मंथली एसआईपी से 5 साल में जमा हुए : 11,30,375 रुपये

**3. आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंडिया इक्विटी एफओएफ (डायरेक्ट प्लान)**
- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न : 30.54%
- 3 साल का औसत सालाना रिटर्न : 23.09%
- एक्सपेंस रेशियो : 0.63%
- एसेट अंडर मैनेजमेंट : 178 करोड़ रुपये
- 1 लाख का निवेश 5 साल में हुआ : 3,79,592 रुपये
- 10 हजार की मंथली एसआईपी से 5 साल में जमा हुए : 10,86,103 रुपये

**4. एचडीएफसी रिटायरमेंट सेविंग्स फंड इक्विटी प्लान**
- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न : 29.55%
- 3 साल का औसत सालाना रिटर्न : 22.52%
- एक्सपेंस रेशियो : 0.74%
- एसेट अंडर मैनेजमेंट : 6473 करोड़ रुपये
- 1 लाख का निवेश 5 साल में हुआ : 3,65,209 लाख रुपये
- 10 हजार की मंथली एसआईपी से 5 साल में जमा हुए : 10,46,988 रुपये

**5. पराग पारिख फ्लेक्सी कैप फंड-डायरेक्ट प्लान**
- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न : 27.34%
- 3 साल का औसत सालाना रिटर्न : 22.21%
- एक्सपेंस रेशियो : 0.63%
- एसेट अंडर मैनेजमेंट : 103,866 करोड़ रुपये
- 1 लाख का निवेश 5 साल में हुआ : 3,43,054 रुपये
- 10 हजार की मंथली एसआईपी से 5 साल में जमा : 10,31,937 रुपये

### एकमुश्त और एसआईपी पर शानदार रिटर्न

ऊपर दिए आंकड़ों से साफ है कि इन पांचों म्यूचुअल फंड्स ने पिछले 5 साल के दौरान अपने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिए हैं। फिर चाहे वो वन-टाइम इनवेस्टमेंट हो या सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये किया गया निवेश, लेकिन निवेशकों को यह याद रखना चाहिए कि इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश के साथ मार्केट रिस्क जुड़ा रहता है। इसलिए निवेश का फैसला करने से पहले अपनी रिस्क लेने की क्षमता को जरूर ध्यान में रखें।

*(डिस्क्लेमर : इस आर्टिकल का मकसद सिर्फ जानकारी देना है. निवेश की सिफारिश करना नहीं। म्यूचुअल फंड्स का पिछला रिटर्न भविष्य में जारी रहने की कोई गारंटी नहीं होती. निवेश के फैसले अपने निवेश सलाहकार की राय लेकर ही करें।)*

# कम खर्च में बढ़िया कमाई करवाने वाले 5 स्मॉल कैप फंड कर सकते मालामाल

*35% से 39% तक रहा 5 साल का एनुअल रिटर्न, निवेशकों के पैसों को साढ़े चार गुना से 5 गुना तक बढ़ाया बेहद कम एक्सपेंस रेशियो के साथ दे रहे अच्छा रिटर्न*

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड्स पर स्टॉक मार्केट की उथल-पुथल का ज्यादा असर पड़ता है। यानी बाजार में गिरावट आने पर उनके ज्यादा तेजी से गिरने की आशंका रहती है, लेकिन इसके साथ ही रिकवरी होने पर उनमें मुनाफे की गुंजाइश भी अधिक होती है। यही वजह है कि स्मॉल कैप फंड्स को हाई रिस्क, हाई रिटर्न इनवेस्टमेंट माना जाता है, लेकिन हम इस रिपोर्ट में 5 ऐसे स्मॉल कैप फंड्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें पिछले 5 साल के प्रदर्शन के आधार पर लो कॉस्ट, हाई रिटर्न यानी कम खर्च में मोटा मुनाफा देने वाला कहा जा सकता है। इन सभी फंड्स का 5 साल का औसत सालाना रिटर्न 35% से 39% तक रहा है, वह भी काफी कम लागत यानी एक्सपेंस रेशियो के साथ। जिन 5 स्मॉल कैप फंड्स की जानकारी दी है, उनका 5 साल का एवरेज एनुअल रिटर्न 35.81% से लेकर 39.61% तक है। इस हाई रिटर्न की बदौलत इन फंड्स ने 1 लाख रुपये के एकमुश्त निवेश को 5 साल में 4.65 गुना से लेकर 5.3 गुना तक कर दिखाया है। इतना ही नहीं, इन स्मॉल कैप फंड्स में अगर किसी ने 5 साल तक हर महीने 5,000 रुपये का निवेश किया होगा, तो उसकी मौजूदा फंड वैल्यू भी 5.74 लाख रुपये से लेकर 6.57 लाख रुपये तक हो गई होगी। इन सभी फंड्स को वैल्यू रिसर्च ने 5 या 4 स्टार की रेटिंग दी है और इनके डायरेक्ट प्लान का एक्सपेंस रेशियो 0.34% से 0.65% के बीच है, जिसे काफी किफायती माना जा सकता है।

**1. निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान**
- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 39.61%
- एक्सपेंस रेशियो (डायरेक्ट प्लान) : 0.65%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 5.3 लाख रुपये
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 6,15,113 रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 29.21%)

**2. बंधन स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान**
- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 38.21%
- एक्सपेंस रेशियो (डायरेक्ट प्लान) : 0.39%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 5.04 लाख रुपये
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 6,57,581 रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 32.04%)

**3. एडलवाइज़ स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान**
- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 36.35%
- एक्सपेंस रेशियो (डायरेक्ट प्लान) : 0.43%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 4.71 लाख रुपये
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 5,74,266 रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 26.32%)

**4. टाटा स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान**
- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 35.98%
- एक्सपेंस रेशियो (डायरेक्ट प्लान) : 0.34%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 4.65 लाख रुपये
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 5,83,439 रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 26.98%)

**5. इनवेस्को इंडिया स्मॉल कैप फंड - डायरेक्ट प्लान**
- 5 साल का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 35.81%
- एक्सपेंस रेशियो (डायरेक्ट प्लान) : 0.44%
- 1 लाख रुपये के लंपसम निवेश की 5 साल बाद वैल्यू : 4.62 लाख रुपये
- 5000 रुपये मंथली एसआईपी की 5 साल में फंड वैल्यू : 6,16,477 रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 29.31%)

### स्मॉल कैप में निवेश से पहले रिस्क समझ लें

स्मॉल कैप म्यूचुअल फंड्स लॉन्ग टर्म में औसत से काफी बेहतर रिटर्न देने के लिए जाने जाते हैं. लेकिन इन पर बाजार की उथल-पुथल का ज्यादा असर पड़ता है। इसी वजह से इन्हें काफी अधिक जोखिम की रेटिंग दी जाती है, लेकिन जो निवेशक हाई रिटर्न के लिए ज्यादा रिस्क लेने की क्षमता रखते हैं, वे अपने पोर्टफोलियो में इन्हें जगह दे सकते हैं। अगर सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये लंबी अवधि तक निवेश किया जाए, तो इस रिस्क को कुछ हद तक कम किया जा सकता है। ऐसे में निवेशकों को कम से कम 7 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेश जारी रखना चाहिए। साथ ही स्मॉल कैप में एक्सपोजर 10-15 फीसदी से ज्यादा नहीं होना चाहिए। इसलिए अगर अगर आप लंबी अवधि के लिए निवेश की सोच रहे हैं और ज्यादा जोखिम उठाने को तैयार हैं, तो स्मॉल कैप फंड्स अच्छा रिटर्न देने का दम रखते हैं, लेकिन ध्यान रखें कि ये फंड्स वोलैटाइल होते हैं और शॉर्ट टर्म में उतार-चढ़ाव ला सकते हैं।

# रिटायरमेंट की रेस जीतनी है तो पहले से करें तैयारी

आखिरी वक्त में दौड़ने से नहीं बनेगा काम, फेल हो सकती है पूरी प्लानिंग

युवाओं के लिए रिटायरमेंट का वक्त भले ही दूर हो, लेकिन जल्दी करें

तैयारी जितनी जल्दी शुरू करेंगे, बाद में उतनी ही आसानी होगी

सुझाव
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी चाहते हैं कि आपका बुढ़ापा पूरी मस्ती में कटे तो रिटायरमेंट के लिए बेहतर प्लानिंग करें। इससे आपको असानी रहेगी और समय रहते आप रिटायरमेंट के लिए अच्छा खासा पैसा जुटा लेंगे। रिटायरमेंट की प्लानिंग ऐसी दौड़ है, जिसमें जीतना है तो शुरुआत समय रहते करनी होगी। अगर आप आखिरी वक्त में तैयारी शुरू करेंगे, तो न तो सही ढंग से पैसों का इंतजाम हो पाएगा और न ही रिटायरमेंट के बाद की जिंदगी सुकून भरी बन पाएगी। कामकाजी जिंदगी के शुरुआती दौर में रिटायरमेंट भले ही काफी दूर का लक्ष्य नजर आता हो, लेकिन उसके लिए जितनी जल्दी तैयारी शुरू की जाएगी, बाद में उतनी ही आसानी होगी। इसके लिए समय रहते अमाउंट जुटा लेना जरूरी है। तभी आपका बुढ़ापा बिना किसी टेंशन के कट सकेगा। वरना बडी परेशानी हो सकती है।

### जल्द शुरुआत बड़ा फायदा

जानकारों का कहना है कि रिटायरमेंट प्लानिंग को आखिरी समय की तैयारी के तौर पर नहीं, बल्कि आदत के रूप में अपनाना चाहिए। जो लोग शुरुआत से ही छोटी-छोटी रकम निवेश करना शुरू कर देते हैं, उन्हें कंपाउंडिंग का सबसे बड़ा फायदा मिलता है। इससे समय रहते आप अच्छा खासा पैसा जुटाकर अपने जीवन का समृद्ध बना सकते हैं। उनका यह भी मानना है कि रिटायरमेंट की तैयारी एक लंबी प्रक्रिया है और यह एक बार का काम नहीं, बल्कि लगातार चलने वाली आदत होनी चाहिए। अगर आप अपने करियर के शुरूआती सालों में ही निवेश की आदत डाल लेते हैं, तो समय के साथ आपका फंड अपने आप बढ़ता चला जाएगा।

### रेगुलर इनवेस्टमेंट

रिटायरमेंट फंड के लिए हर महीने एक तय रकम अलग रखना जरूरी है। यह रकम आपकी आमदनी के अनुसार कम ज्यादा हो सकती है, लेकिन इसे एक नियम की तरह अपनाना चाहिए। इससे यह प्लानिंग सिर्फ कागज पर नहीं, आपकी वित्तीय आदतों में शामिल हो जाएगी। हर महीने रिटायरमेंट के लिए निवेश की गई छोटी-छोटी रकम भी लंबे समय में बड़ा फंड तैयार कर सकती है, बशर्ते आप रेगुलर इनवेस्टमेंट का सिलसिला बनाए रखें।

### सही एसेट एलोकेशन है बेहद जरूरी

रिटायरमेंट के लिए निवेश करते वक्त सिर्फ सेविंग अकाउंट या फिक्स्ड डिपॉजिट पर भरोसा करना ठीक नहीं. आपको अपनी रिस्क लेने की क्षमता के हिसाब से इक्विटी और डेट जैसे विकल्पों के बीच संतुलन बना कर निवेश करना चाहिए। नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) इस मामले में एक बेहतर विकल्प है, क्योंकि इसमें आप अपनी रिस्क प्रोफाइल के मुताबिक इक्विटी, डेट और गवर्नमेंट बॉन्ड्स का चुनाव कर सकते हैं।

### इंक्रिमेंट के साथ बढ़ाते चलें निवेश

जैसे-जैसे आपकी सैलरी बढ़ती है, वैसे ही रिटायरमेंट के लिए की जाने वाली निवेश की रकम भी बढ़ानी चाहिए. यह अपने फ्यूचर को और मजबूत बनाने का एक सबसे अच्छा तरीका है। हर साल अपने रिटायरमेंट पोर्टफोलियो का रिव्यू जरूर करें और जरूरत के हिसाब से उसमें बदलाव करें। यदि आप सही प्लानिंग के साथ चलेंगे तो परेशानी नहीं होंगे और अपने लिए आसानी से अच्छा फंड जुटा पाएंगे। रिटायरमेंट के बाद आपको किसी का मुंह ताकने की जरूरत नहीं होगी। अपने खर्चे खुद उठाने में सक्षम होंगे।

### पूरी तैयारी के साथ होना चाहिए रिटायरमेंट

रिटायरमेंट का मकसद सिर्फ नौकरी खत्म होना नहीं है, बल्कि एक ऐसी जिंदगी जीना है, जिसमें आर्थिक चिंता न हो। अगर आप अपने करियर को बनाने में जितनी मेहनत करते हैं, उतनी ही एनर्जी अपने वित्तीय भविष्य को बनाने में भी लगाएं. रिटायरमेंट प्लानिंग को आज शुरू करना आपके कल को बेहतर बना सकता है। इसलिए यह समझना जरूरी है कि रिटायरमेंट की रेस में जीतने के लिए शुरुआत अभी से करनी होगी। आखिरी वक्त में दौड़ने से मंजिल नहीं मिलती, बल्कि वक्त पर उठाया गया एक-एक कदम आपके आने वाले कल को बेहतर बनाने में बड़ा योगदान कर सकता है।

### रिटायरमेंट के लिए निवेश विकल्प

**पीपीएफ (पब्लिक प्रोविडेंट फंड) :** पीपीएफ एक लंबी अवधि का निवेश विकल्प है जो आयकर अधिनियम के तहत कर लाभ प्रदान करता है।

**-एनपीएस (नेशनल पेंशन सिस्टम) :** एनपीएस एक रिटायरमेंट बचत योजना है जो आपको अपने भविष्य के लिए बचत करने में मदद करती है।

**-म्यूचुअल फंड :** म्यूचुअल फंड एक प्रकार का निवेश विकल्प है जो आपको विभिन्न प्रकार की सिक्योरिटीज में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है।

**फिक्स्ड डिपॉजिट :** फिक्स्ड डिपॉजिट एक प्रकार का निवेश विकल्प है जो आपको एक निश्चित अवधि के लिए अपने पैसे जमा करने का अवसर प्रदान करता है।

**शेयर बाजार :** शेयर बाजार एक प्रकार का निवेश विकल्प है जो आपको कंपनियों के शेयरों में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है।

निवेश करने के लिए कुछ सुझाव

**जल्दी शुरू करें:** रिटायरमेंट के लिए निवेश करना जितनी जल्दी शुरू करेंगे, उतना ही अधिक समय आपके पैसे को बढ़ने के लिए मिलेगा।

**नियमित निवेश करें:** नियमित निवेश करने से आपको अपने निवेश लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।

**विविधीकरण करें:** अपने निवेश को विभिन्न प्रकार की सिक्योरिटीज में विभाजित करने से आपको जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है।

**अपने निवेश लक्ष्यों को परिभाषित करें:** अपने निवेश लक्ष्यों को परिभाषित करने से आपको अपने निवेश निर्णयों को निर्देशित करने में मदद मिल सकती है।

## खबर संक्षेप

### मेडीकल स्टोर से नशीली गोलियां व कैप्सूल बरामद

**कालांवाली।** स्पेशल स्टाफ डबवाली ने औषधि नियंत्रक अधिकारी के साथ ग्रोवर मेडिकल स्टोर मंडी डबवाली को 675 नशे में प्रयुक्त होने वाली गोलियां व कैप्सूल मिलने पर मेडिकल संचालक रुपिंदरजीत सिंह पुत्र को नोटिस देकर अदालत के आदेशानुसार कार्यवाही की है। प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कार्रवाई की गई।

### प्लॉट में खड़ी गाड़ी का तोड़ा शीशा

**फतेहाबाद।** शरारती तत्वों ने देर रात रघुनाथ मंदिर के पास बनी प्राइवेट पार्किंग में घुसकर वहां खड़ी एक कार की खिडक़ी का शीशा तोड़ डाला। सुबह जब कार मालिक पार्किंग में गया तो उसने शीशे को टूटा पाया। कार मालिक ने पार्किंग संचालक से कार का शीशा टूटने की घटना के बारे में पूछा तो वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका, उल्टा जिम्मेदारी होने से ही इनकार कर दिया। इससे गुस्साए कार मालिक ने बस स्टैंड चौकी में पार्किंग संचालक के खिलाफ लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है।

### हथियार दिखाकर कार सवार ने छीनी घोड़ी

**सिरसा।** ऐलनाबाद के तलवाड़ा रोड पर कार सवार तीन लोग घोड़ी व उसके छोटे बच्चे को चरा रहे युवक को तेजधार हथियार दिखाकर घोड़ी व उसका बच्चा छीनकर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में वार्ड नंबर 1 निवासी मदनलाल ने बताया कि वह शादियों में घोड़ी सजाने का काम करता है। उसने बताया कि बीती 6 जून की शाम को वह तलवाड़ा रोड पर घोड़ी व उसके बच्चे को चराने के लिए लेकर गया हुआ था। इसी दौरान उसके पास एक कार आकर रूकी, जिसमें तीन लोग सवार थे। तीनों ने उसे पकड़ लिया और हथियार दिखाकर लगाम छीन ली।

### चोरी का आरोपी काबू चोरीशुदा गेहूं बरामद

डबवाली। शहर थाना पुलिस ने गेहूं चोरी के आरोपी को गिरफ्तार करके आरोपी के कब्जे से चोरीशुदा गेहूं बरामद की है। शहर थाना डबवाली प्रभारी शैलेंद्र कुमार ने बताया कि नवीन कुमार पुत्र ओम कुमार निवासी सकता खेड़ा की शिकायत पर कि उसकी दुकान पर काम करने वाले पलेदार द्वारा उसकी दुकान पर रखी गेहूं चोरी कर लिए जाने पर मामला दर्ज किया गया था।

### टोहाना क्षेत्र से एक युवती सहित दो लोग लापता

**फतेहाबाद।** जिले के टोहाना क्षेत्र से एक युवती सहित दो लोगों के लापता होने का समाचार है। दोनों मामलों में परिजनों द्वारा पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में राजनगर टोहाना निवासी एक व्यक्ति ने कहा है कि उसकी 19 वर्षीय लडक़ी गत दिवस दोपहर को स्कूल जाने की बात कहकर घर से गई थी और उसके बाद वह वापस घर नहीं लौटी है। इस पर उन्होंने काफी जगह उसकी तलाश की लेकिन जब उसका कहीं कुछ पता नहीं चला तो उसने इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई।

---

साइबर अपराध के खिलाफ पुलिस का प्रहार

# ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप के माध्यम से ठगी करने के मामले में आरोपी काबू

■ आरोपी को अदालत में पेश कर 3 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭| फतेहाबाद

फतेहाबाद। ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप के माध्यम से ठगी का आरोपी गिरफ्त में।

अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत फतेहाबाद सीआईए टीम ने ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप के माध्यम से ठगी के मामले में दूसरे आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए युवक की पहचान अनिल कुमार मल पुत्र अशोक मल, निवासी एमसी कॉलोनी, फतेहाबाद के रूप में हुई है। इस संबंध में थाना शहर फतेहाबाद में 29 मई को मामला दर्ज किया गया था। आरोपी को अदालत में पेश कर 3 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है, रिमांड के दौरान उससे आगे की पूछताछ की जा सके और गिरोह के अन्य सदस्यों की जानकारी प्राप्त की जा सके।

सीआईए प्रभारी निरीक्षक यादवेन्द्र सिंह ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पंकज कुमार पुत्र भीमसेन निवासी चौधरी कॉलोनी, फतेहाबाद, विश्वकर्मा मंदिर के पास 'पंकज मोबाइल एंड स्टेशनरी' नामक दुकान चलाता है। वह अपने साथियों मोहित चौधरी, एक महिला साथी और मन्नू निवासी हिसार के साथ मिलकर एक संगठित साइबर ठगी गिरोह संचालित कर रहा है। यह गिरोह विभिन्न ऑनलाइन मोबाइल ऐप्स के माध्यम से आम नागरिकों को निवेश के लिए प्रेरित करता है और अधिक लाभ का लालच देकर उनसे राशि ऐंठकर ठगी करता है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने बीघड़ चौक स्थित दुकान पर छापा मारकर पंकज कुमार को मौके पर गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से एक मोबाइल फोन और 5 हजार नकद बरामद किए थे। जांच के दौरान पंकज के मोबाइल में एक व्हाट्सएप संदेश मिला जिसमें 20 अप्रैल को किसी महिला को 1.5 एल यानी 1.5 लाख रुपये भेजने का उल्लेख था।

पूछताछ के दौरान पंकज ने स्वीकार किया कि वह अपने साथियों के साथ मिलकर लोगों को ठगने के उद्देश्य से उन्हें फर्जी निवेश योजनाओं में फंसाता था और उनके साथ धोखाधड़ी करता था। बरामद नकदी के संबंध में आरोपी ने बताया कि यह राशि मोहित चौधरी द्वारा भेजे गए एक व्यक्ति से प्राप्त की गई थी, लेकिन उसने उसका नाम नहीं पूछा। पुलिस ने पंकज से बरामद मोबाइल फोन और नकदी को नियमानुसार जब्त कर लिया तथा उसके विरुद्ध मामला दर्ज किया गया। मुख्य आरोपी पंकज से हुई पूछताछ के आधार पर पुलिस ने उसके एक और सहयोगी अनिल कुमार मल को भी गिरफ्तार कर लिया है।

#### ऑनलाइन पैसे कमाने का लालच देकर युवक से ठगी करने का आरोपी राजस्थान से पकड़ा

फतेहाबाद। साइबर ठगी के मामलों को गंभीरता से लेते हुए रतिया पुलिस ने ऑनलाइन पैसे कमाने का लालच देकर एक युवक से हजारों रुपये ठगने के आरोपी को राजस्थान के जैसलमेर से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान हदमाना राम पुत्र सोना राम निवासी जिला जैसलमेर के रूप में हुई है। आरोपी को पुलिस कस्टडी में शामिल तफ्तीश किया गया और पूछताछ बाद पुलिस जमानत पर रिहा किया। थाना सदर रतिया प्रभारी उपनिरीक्षक राजबीर सिंह ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 30 जनवरी को गांव लुठेरा निवासी सुखविन्द्र सिंह की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार 26 जनवरी को उसके पास टेलीग्राम आईडी से लिंक आया था। जैसे ही उसने इस लिंक पर क्लिक किया तो उसके खाते से 7 हजार रुपये निकल गए। युवक ने कहा कि इस आईडी से पहले भी उसके पास ऑनलाइन पैसे कमाने और ऑनलाइन काम करने के लिए मैसेज आए थे। जब लिंक पर क्लिक होने से कटे पैसों बारे उसने मैसेज करके पूछा और पैसे वापस मांगे तो उसके पैसे नहीं लौटाए गए। युवक का आरोप है कि अज्ञात ठगों ने उससे फ्रॉड कर 7 हजार रुपये हड़प लिए हैं। इस मामले में थाना सदर रतिया पुलिस ने केस दर्ज किया और जांच अधिकारी ने आरोपी बारे अहम सुराग जुटाते हुए उसे राजस्थान के जैसलमेर से काबू कर लिया। मामले में जांच जारी है।

फतेहाबाद। पुलिस गिरफ्त में राजस्थान से पकड़े गए ठगी के आरोपी।

## जेल विभाग के क्लर्क को ठगने के तीन आरोपी राजस्थान से गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭| फतेहाबाद

■ ट्रेडिंग में प्रॉफिट कमाने का लालच देकर 88 हजार रुपये ठगे

साइबर ठगों की धरपकड़ करते हुए साइबर थाना फतेहाबाद पुलिस ने एक नाबालिग सहित तीन लोगों को राजस्थान से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए लोगों की पहचान रवि कुमार सैनी पुत्र सुरेश कुमार व कमलेश कुमार सैनी पुत्र लाल कुमार दोनों निवासी बगीची का बास, राजगढ़, जिला अलवर, राजस्थान के रूप में हुई है जबकि तीसरा नाबालिग आरोपी भी अलवर जिले का रहने वाला है। नाबालिग को जहां अदालत ने जमानत दे दी वहीं दो अन्य आरोपियों को पुलिस रिमांड पर लिया गया है। आरोपियों के पास से एक मोबाइल व 500 रुपये की नकदी बरामद हुई है। साइबर थाना फतेहाबाद प्रभारी इंस्पैक्टर सतीश ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 21 मई को गांव नाढोड़ी निवासी गुरसेवक सिंह पुत्र जगरूप सिंह की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार वह जेल विभाग पंचकूला में क्लर्क के पद पर कार्यरत है। 18 मई को उसके मोबाइल नंबर पर व्हाटसएप कॉल आई। फोन करने वाले ने कहा कि अगर वह ट्रेडिंग करना चाहता है तो वह उसको ट्रेडिंग करवा कर अच्छा प्रोफिट दिला सकता है। इस पर उसने ट्रेडिंग करने के लिए हां कर दी। इसके बाद उसे एक यूपीआई आईडी दी और उस पर ट्रेडिंग शुरू करने के नाम पर 88 हजार 805 रुपये ले लिए।

---

# ईद पर मुस्लिम सोसायटी ने लगाया रक्तदान शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭| टोहाना

टोहाना। ईद पर रक्तदान करते मुस्लिम समाज के लोग। फोटो : हरिभूमि

शहर में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम मुस्लिम सोसाइटी ने ईद उल जुहा को अनूठे तरीके से मनाया। ईदगाह में नमाज के बाद मानव संगम ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

मुस्लिम समाज के पदाधिकारियों ने महत्वपूर्ण संदेश देते हुए कहा कि अब रक्त नालियों में नहीं बहाया जाएगा। बकरा बलि और अन्य कुरीतियों का त्याग कर मानवता की भलाई के कार्य किए जाएंगे। संगम चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रधान सतपाल नन्हेड़ी ने बताया कि यह सोसाइटी का दूसरा रक्तदान कैंप है। डॉ. अशोक तनेजा ने इसे मानवहितकारी पहल बताते हुए कहा कि इसी तर्ज पर हर समाज के लोगों को एकजुट होकर हर पर्व पर रक्तदान करना चाहिए। यह रक्त थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को निशुल्क दिया जाएगा क्योंकि उन्हें हर महीने रक्त की जरूरत होती है।

#### ये रहे मौजूद

कैंप में डॉ एपीजे अब्दुल कलाम मुस्लिम वैलफेयर सोसाइटी के प्रधान राजेन्द्र, उप प्रधान सद्दीक खान, सचिव मोहम्मद अली और सह सचिव संदीप खान, कैशियर नवाज अली, मेहरदीन, जगबीर सिंह, शुकरदीन, सफी मोहमद, वजीर खान, अब्दुल खान, नसीब खान, हैप्पी खान, मोहमद राशिद, डॉ साबर खान, रफीक खान, सतीश खान और गुलजान खान आदि मौजूद रहे।

---

मोनिका ने दिस इज नॉट यूअर मिस्टेक पुस्तक लिखी

# छोटा शहर नहीं होता सोच होती हैः मोनिका

## सिरसा की लड़की ने दी अमेजन प्राइम पर दस्तक

हरिभूमि न्यूज ⏭| सिरसा

अगर हौंसले बुलंद हैं और दृढ़ निश्चय हो तो मुश्किल से मुश्किल मुकाम को पाया जा सकता है। ऐसा ही कारनामा कर दिखाया है सिरसावासी मोनिका गोकुल मेहता ने, जिन्होंने अपनी मेहनत से बॉलीवुड में दस्तक दी है। मोनिका मेहता ऐसी पहली लड़की है, जिसने बॉलीवुड में एंट्री ली है। मोनिका ने बताया कि इस सफर की शुरूआत आज से 5 वर्ष पहले हुई, जब उसने न्यूमेरोलॉजी द्वारा लोगों की जिंदगी बदलने का सोचा।

मोनिका का कहना है कि अगर आपकी सोच बड़ी है तो आप कुछ भी बड़ा कर सकते हो। वह एक अच्छी लेखिका भी है और उन्होंने दिस इज नॉट यूअर मिस्टेक पुस्तक लिखी है, जिसमें बताया गया है कि हमें कैसे बोलना चाहिए और सोचना चाहिए, ताकि हम अपनी जिंदगी में सुख और समृद्धि पा सके।

उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे अपनी जिंदगी में जो कुछ भी अच्छा सोच सकते हो, वो सब कुछ पा सकते हो, क्योंकि छोटा शहर नहीं होता, छोटी सोच होती है।

---

# पंजाब पुलिस कर्मचारी से मारपीट मामले में एक और आरोपी काबू

हरिभूमि न्यूज ⏭| फतेहाबाद

■ अन्य फरार आरोपियों की धरपकड़ के लिए छापेमारी और जांच जारी

पंजाब पुलिस के एक कर्मचारी से मारपीट करने, अदालती वारंट और उसकी वर्दी फाडऩे के गंभीर मामले में कार्रवाई करते हुए टोहाना पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बूटा राम पुत्र रांझा राम निवासी गांव चंदू, जिला संगरूर, पंजाब के रूप में हुई है।

इस मामले में पुलिस पहले ही दो आरोपियों सुरजीत सिंह उर्फ जीता पुत्र रांझा राम तथा तरसेम पुत्र सुरजीत सिंह निवासी गांव चंदू, जिला संगरूर को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। थाना शहर टोहाना प्रभारी इंस्पेक्टर प्रहलाद सिंह ने बताया कि यह मामला 12 मार्च को दर्ज किया गया था। पंजाब के जिला मानसा स्थित गांव गोबिंदपुरा निवासी एएसआई जगतार सिंह, पंजाब पुलिस की शिकायत पर यह मुकदमा दर्ज हुआ था। शिकायतकर्ता के अनुसार, उसकी ड्यूटी थाना सदर मानसा में कोर्ट द्वारा जारी सम्मन/वारंट तामील कराने की होती है।

इसी सिलसिले में वह मानसा सेशन कोर्ट द्वारा बूटा राम के खिलाफ जारी वारंट की तामीली के लिए अपने साथी पुलिसकर्मियों सुखपाल सिंह व बलजीत सिंह के साथ रेलवे रोड, टोहाना स्थित सैनी चौक के पास एक गली में गया। जैसे ही वे बूटा राम के पास पहुंचे, आरोपी ने गाली-गलौच शुरू कर दी और पुलिस द्वारा दिया गया वारंट छीनकर फाड़ डाला।

इसके बाद बूटा राम के अन्य साथी भी मौके पर आ गए और एएसआई जगतार सिंह के साथ मारपीट की तथा उनकी वर्दी फाड़ दी। मारपीट के दौरान आरोपियों ने बूटा राम को पुलिस की गिरफ्त से छुड़ाकर फरार करवा दिया। टोहाना पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर लिया और जांच अधिकारी ने साक्ष्यों व सुरागों के आधार पर अब तक तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य फरार आरोपियों की धरपकड़ के लिए छापेमारी और जांच जारी है।

---

श्री श्याम सेवा ट्रस्ट की ओर से निर्जला एकादशी पर का आयोजन

# श्री श्याम बगीची धाम में भजन संध्या एवं भंडारे का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭| सिरसा

सिरसा। भजनों की प्रस्तुति देते भजन गायक। फोटो : हरिभूमि

स्थानीय अनाज मंडी स्थित श्री श्याम बगीची धाम में श्री श्याम सेवा ट्रस्ट की ओर से निर्जला एकादशी पर भजन संध्या एवं भंडारे का आयोजन किया गया। श्री श्याम बगीची धाम के मुख्य सेवादार पवन गर्ग ने बताया कि पटेल बस्ती स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर से श्याम बाबा की निशान यात्रा निकाली गई। निशान यात्रा पटेल बस्ती मंदिर से शुरु होकर शहर के मुख्य बाजारों से होते हुए श्याम बगीची में पहुंचकर संपन्न हुई। निर्जला एकादशी पर बगीची के समीप तोरण द्वार पर दूध आइसक्रीम की छबील लगाई गई। राजेंद्र गनेरीवाला ने गणेश वंदना से भजन संध्या का आगाज किया। गनेरीवाला ने हनुमान चालीसा का पाठ किया और भजन- राम के रंग में रंगा हुआ है अंजनी सुत लाला, क्यूं घबराउं मैं मेरा तो श्याम से नाता है, छोड़ेंगे ना हम तेरा साथ ओ बाबा मरते दम तक, पकड़ लो हाथ बनवारी नही तो डूब जाएंगे सहित अनेक भजनों की प्रस्तुति दी। इसके बाद फतेहाबाद से आई भजन गायिका साक्षी शर्मा ने बाबा श्याम के चरणों में भजनों के माध्यम से अपनी हाजिरी लगाई। साक्षी शर्मा ने भजन- मन में हो विश्वास तो श्याम सहरा मिलता है, बाबा तेरे भक्तों को तेरा ही सहारा है, मेरी झोपड़ी के भाग खुल जाएंगे, सिंदूर चढ़ाने से हर काम होता है, बोलो बोलो प्रेमियों श्याम बाबा की जय, पलके ही पलकें बिछाएंगे जिस दिन श्याम प्यारे घर आएंगे, काली कमली वाला मेरा यार है, ना गोरे का ना काले का मैं लाडला श्याम मुरली वाले का सहित अनेक भजनों की प्रस्तुति दी जिन पर श्रद्धालु जमकर नाचे। रात को 9:15 बजे श्री श्याम रसोई का प्रसाद वितरित किया गया।

---

### पेस्टिसाइड यूनियन फतेहाबाद ने लगाई छबील

**फतेहाबाद।** समाजसेवा में अग्रणी रहने वाली पेस्टिसाइड यूनियन ने आज मीठे पानी की छबील लगाई। भीषण गर्मी के मद्देजनर पेस्टीसाईड यूनियन फतेहाबाद के पदाधिकारियों व सदस्यों ने शिवालय मार्केट में मीठे व ठण्डे पानी की छबील लगाकर सेवा दी। इस दौरान उन्होंने आने जाने वाले राहगीरों को पानी पिलाकर उनकी प्यास बुझाई गई। इस अवसर पर पेस्टीसाइड यूनियन के संरक्षक नरेश तनेजा टीटू, प्रधान कृष्ण गिल्होत्रा, पूर्व वरिष्ठ उपप्रधान मंगत मित्तल, उपप्रधान पूर्ण कम्बोज, सहसचिव साहिल जाखड़, हेमंत बतरा, सतपाल बाजीगर, कुलदीप जिंदल, मिन्टू गोयल, अक्षय तनेजा, शीला अरोड़ा आदि मौजूद रहे।

### कंवल ग्रेवाल के भजनों से श्रद्धाल हुए भाव विभोर

**टोहाना।** शहर के नया बाजार स्थित हजरत हजूर पीर कबीला शाह के 47वें उर्स में देर रात शानदार कव्वाली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुमाता संतोष देवी ने किया। मुख्य आकर्षण के रूप में सूफी गायक कंवल ग्रेवाल ने अपनी प्रस्तुति दी। उन्होंने 'सामने हो जब यार तो नचना पेंदा है और मस्त बना देन गे बीबा जैसे भजन प्रस्तुत किए। हजारों की संख्या में मौजूद श्रद्धालुओं ने उनका भव्य स्वागत किया। सेवादार जैकी चावला ने बताया कि चार दिवसीय उर्स कार्यक्रम में विभिन्न धार्मिक आयोजन हुए। 3 जून को गुरु जी स्वरूप प्राण प्रतिष्ठा और गुरु सत्संग हुआ। 4 जून को महिला सत्संग का आयोजन किया गया। 5 जून को रामायण पाठ का शुभारंभ हुआ। साथ ही झंडा रस्म और चद्दर रस्म अदा की गई। 6 जून को सुबह रामायण पाठ का भोग, विश्व शांति हवन यज्ञ और लंगर का आयोजन किया गया।

### भिरड़ाना में नशा मुक्ति व मेडिकल शिविर आयोजित

**फतेहाबाद।** महाशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा गांव भिरड़ाना में नशा मुक्ति व मेडिकल शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ट्रस्ट के संस्थापक भवानी सिंह ने मुख्यातिथि के रूप मे शिरकत की। शिविर के शुभारंभ से पूर्व गुरूद्वारा सिंह सभा में सुखमनी साहिब के पाठ का भोग डाला गया। इस शिविर में डॉ. अमित मुंजाल व प्राची मुंजाल ने अपनी सेवाएं दी। ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए भवानी सिंह ने कहा कि आज नशा नाश का दूसरा नाम है और हमारे युवा पीढ़ी आज इस से सबसे ज्यादा ग्रस्त है। उन्होंने कहा कि चिट्टे के कारण युवा साथी छोटी उम्र में मर रहे है व युवाओं को नशे से बचाने के लिए आज हम सब को एकजुट होना होगा।

---

# आयुष्मान योजना का जनता को नहीं मिल रहा लाभ : सैलजा

हरिभूमि न्यूज ⏭| सिरसा

■ मोतियाबिंद, पित्त की थैली और बच्चेदानी के ऑपरेशन योजना से बाहर कर जनता से किया धोखा

सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने केंद्र सरकार की बहुप्रचारित आयुष्मान भारत योजना की आलोचना करते हुए कहा कि यह योजना केवल कागजों और प्रचार तक सीमित होकर रह गई है, जबकि जमीनी स्तर पर आम जनता को इसका कोई ठोस लाभ नहीं मिल रहा है। सांसद सैलजा ने शनिवार को जारी एक प्रैस बयान में कहा कि न केवल मोतियाबिंद, पित्त की थैली व बच्चेदानी के ऑपरेशन जैसे आवश्यक इलाज योजना के दायरे से बाहर कर दिए गए हैं, बल्कि कई निजी अस्पताल अब सडक़ दुर्घटनाओं के घायलों तक को इलाज देने से मना कर रहे हैं। सैलजा ने कहा कि आयुष्मान कार्ड धारकों को निजी अस्पतालों में इलाज से वंचित किया जा रहा है। न केवल मोतियाबिंद, पित्त की थैली व बच्चेदानी के ऑपरेशन जैसे आवश्यक इलाज योजना के दायरे से बाहर कर दिए गए हैं, बल्कि कई निजी अस्पताल अब सडक़ दुर्घटनाओं के घायलों तक को इलाज देने से मना कर रहे हैं, तो उन्हें बहानेबाजी और टालमटोल का सामना करना पड़ता है।

यह जनविरोधी नीति है और गरीबों के साथ सरासर अन्याय है। सांसद ने प्रदेश सरकार से मांग की है कि सरकार तुरंत आयुष्मान भारत योजना की समीक्षा करे, निजी अस्पतालों को योजना से हटाने की बजाय उनकी जवाबदेही तय की जाए, जिन रोगों को योजना से बाहर किया गया है, उन्हें फिर से शामिल किया जाए, योजना की निगरानी के लिए एक पारदर्शी और जवाबदेह तंत्र स्थापित किया जाए। कुमारी सैलजा ने कहा कि कांग्रेस सदैव गरीबों और आमजन की आवाज बनकर खड़ी है और ऐसी विफल योजनाओं का खुलकर विरोध करेगी।

---

राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालय में भारतीय भाषा समर शिविर का छठा दिन

# भौगोलिक स्थिति से विद्यार्थियों को करवाया अवगत

■ मानचित्र के माध्यम से भारत को समझा

हरिभूमि न्यूज ⏭| सिरसा

सिरसा। विद्यार्थियों को भारत की भौगोलिक स्थिति से अवगत करवाते शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बप्पां में शनिवार को शिक्षक नरेश कुमार ग्रोवर ने भारतीय भाषा समर शिविर के अंतर्गत छठे दिन विद्यार्थियों को भारत की भौगोलिक स्थिति से अवगत करवाया। उन्होंने इसके अलावा विद्यार्थियों को विभिन्न राज्यों की जानकारी, उनकी राजधानियां, प्रमुख नदियां, पर्वत, समुद्र तट तथा अन्य भौगोलिक तत्वों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। शिक्षक नरेश कुमार ने स्कूली बच्चों को शारीरिक एवं मानसिक संतुलन के साथ अध्ययन की आवश्यकता और उसके लाभों के बारे में भी बताया। इसके पश्चात भारत को जानो विषय पर एक विशेष संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें शिक्षक नरेश कुमार ने भारत के विभिन्न राज्यों, उनकी राजधानी, प्रमुख पर्वत श्रृंखलाएं जैसे हिमालय, विंध्याचल, सतपुड़ा और नदियों जैसे गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, गोदावरी, नर्मदा आदि की विशेषताओं पर बच्चों से संवाद किया। बच्चों ने मानचित्र के माध्यम से भारत को समझा और चित्रों के जरिए प्राकृतिक विविधता का अवलोकन किया। विद्यालय के प्राचार्य शुभकरण शर्मा ने कहा कि ऐसे शिविर बच्चों को न केवल ज्ञान प्रदान करते हैं, बल्कि देश की सांस्कृतिक, भौगोलिक और सामाजिक एकता को भी मजबूती देते हैं। यह जानना आवश्यक है कि हम किस मिट्टी से जुड़े हैं। अंत में शिक्षक नरेश कुमार द्वारा शिक्षा के महत्व पर प्रेरणादायक विचार रखे और बच्चों को नैतिकता, अनुशासन और ज्ञान के साथ आगे बढऩे की प्रेरणा दी।

## खबर संक्षेप

### दड़बी पहुंची जागरूकता वैन ग्रामीणों को दी जानकारी

**सिरसा।** कानूनी जागरूकता के लिए चलाई जा रही मोबाइल वैन शनिवार को गांव दड़बी पहुंची और आमजन को निशुल्क कानूनी सहायता और हेल्पलाइन नंबर की जानकारी दी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रवेश सिंगला ने बताया कि इस वैन के माध्यम से पैनल अधिवक्ता बलबीर कौर गांधी एवं पैरा लीगल वोलंटीयर मोनू ने आमजन को जागरूक किया। उन्होंने बताया कि इस मोबाइल वैन के माध्यम से 'न्याय सबके लिए' का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस जन-जागरूकता शिविर के अंतर्गत कृषि, समाज कल्याण, श्रम कल्याण, चुनाव एवं अन्य सरकारी योजनाओं के साथ-साथ नालसा और हालसा की योजनाओं की जानकारी भी ग्रामीणों तक पहुँचाई जा रही है।

### सीडीएलयू में एडमिशन प्रक्रिया कल से

**सिरसा।** चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2025 -26 के दाखिलों से संबंधित सारी तैयारियां पूरी कर ली है। दाखिलों के लिए इच्छुक आवेदक 9 जून से लेकर 7 जुलाई तक विभिन्न कोर्सों में दाखिले हेतु ऑनलाईन आवेदन कर सकेंगे। इस संबंध में जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के शैक्षणिक मामलों के अधिष्ठाता प्रोफेसर सुरेश गहलावत ने बताया की शैक्षणिक सत्र 2025-26 से पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएससी- एमएससी लाइफ साइंस तथा पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएससी -एमएससी फिजिकल साइंस प्रोग्राम्स प्रारम्भ किया गया है। इन दोनों प्रोग्राम्स में साइंस साइड से बाहरवीं पास विधार्थी दाखिला ले सकेंगे व 60 -60 सीटों का प्रावधान दोनों प्रोग्राम्स में किया गया है। शैक्षणिक सत्र 2025 -26 से पीजी स्तर पर भी नैशनल एजुकेशन पोलिसी-2020 के अनुरूप पाठ्यक्रम पढाये जाएंगे। प्रो. गहलावत ने कहा कि चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा ने स्नातक सत्र पर नैशनल एजूकेशन पोलिसी-2020 को प्रभावी ढंग से लागू करने में भी प्रदेश में अग्रणी भूमिका निभाई और प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालयों के लिए अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि एनईपी आधारित अनेक प्रोग्राम विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी स्कूल फॉर ग्रैजुएट स्टडीज में चलाए जा रहे हैं।

### भविष्य के लिए करें जल संरक्षणः रमेश गोयल

**सिरसा।** बिश्नोई मंदिर सिरसा में समाज के छात्र छात्राओं के लिए चल रहे सात दिवसीय जांभाणी संस्कार शिविर के 5वें दिन संगरिया से आए मनोहर लाल कड़वासरा ने बिश्नोई पंथ से संबंधित मुख्य बातों का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने जीव दया, वृक्ष महिमा, संस्कारों, बलिदानों की जानकारी दी। नेशनल कॉलेज के प्राध्यापक डॉ. विवेक गोयल ने पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ क्षेत्र के जीव जंतुओं की प्रजातियों का वर्णन करते हुए उन्हें बचाने के लिए प्रयास करने का आह्वान किया। एडवोकेट रमेश गोयल ने जल की महिमा बताई व इसको बचाने के लिए उपाय बताए। वहीं प्रो. आरसी लिंबा ने करियर गाइडेंस बारे विस्तार से चर्चा की व व्यक्तित्व विकास के विभिन्न सूत्रों से अवगत कराया। फतेहाबाद से आए डॉ. मोहनलाल कड़वासरा ने बच्चों का मार्गदर्शन किया।

फाइनल में मोरखी की टीम को दी पटखनी

# खरड़ अलीपुर की टीम ने ओपन सर्कल कबड्डी कप जीता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिले के जाखल क्षेत्र के गांव कुलां में स्थित बाबा मीर शाह नौ गजा पीर पर 13वां ओपन सर्कल कबड्डी कप का आयोजन किया गया। इस टूर्नामेंट में हरियाणा और पंजाब की 34 टीमों ने हिस्सा लिया और कबड्डी में अपना दमखम दिखाया। कार्यक्रम में गांव कुलां के पूर्व सरपंच जगविंद्र सिंह उर्फ बोबी नागरा ने मुख्य अतिथि के तौर पर भाग लिया वहीं पुरस्कार वितरण समारोह में मास्टर परमजीत सिंह विशेष अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। बाबा मीर शाह नौ गजा पीर प्रबंधक कमेटी ने ग्रामवासियों के सहयोग से दिनभर विशाल भंडारे का आयोजन भी किया। पहला सेमीफाइनल मोरखी और खोजेवाल के बीच खेला गया। इस रोमांचक मैच ने मोरखी की टीम ने खोजेवाल को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरा सेमिनार खरड़ अलीपुर और डगों की टीम बीच हुआ, जिसमें खरड़ अलीपुर की टीम विजेता रहा। इसके बाद मोरखी और खरड़ अलीपुर की टीमें फाइनल में आमने सामने आई। फाइनल मुकाबले में खरड़ अलीपुर ने मोरखी को साढ़े 10 और 5 अंकों के अंतर से हराकर खिताब जीत लिया। फाइनल मैच देखन को लेकर आसपास के गांवों से भारी संख्या में ग्रामीण पहुंचे हुए थे। विजेता रही खरड़ अलीपुर की टीम को 51 हजार रुपए और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया वहीं दूसरे स्थान पर रही मोरखी की टीम को 31 हजार रुपए पुरस्कार के रूप में मिले। भोला जुलानी और गोगी सांघन को बेस्ट रेडर चुना गया वहीं सचिन गंगोली को बेस्ट कैचर का खिताब मिला। तीनों खिलाडि़यों को 5100-5100 रुपये दिए।



**फतेहाबाद।** कुलां में आयोजित ओपन सर्कल कबड्डी कप की विजेता टीम को सम्मानित करते अतिथिगण।



फतेहाबाद। कुमार केसरी विजेता सज्जन पहलवान को सम्मानित करते हुए।

### सज्जन पहलवान ने जीता कुमार केसरी का खिताब

**फतेहाबाद।** जिला स्तरीय फ्री स्टाइल कुमार केसरी कुश्ती प्रतियोगिता में गांव दौलतपुर के सज्जन पहलवान ने अपने प्रतिद्वंदी पहलवानों को पटखनी देते हुए कुमार केसरी के खिताब पर कब्जा जमाया है। सज्जन पहलवान को मिली इस सफलता से गांव में खुशी की लहर दौड़ गई। भोडियाखेड़ा खेल स्टेडियम में प्रैक्टिस कर रहे साथी पहलवानों ने सज्जन को इस उपलब्धि पर बधाई दी है। बता दें कि भोडियाखेड़ा खेल स्टेडियम में गत दिवस खेल विभाग द्वारा जिला स्तरीय फ्री स्टाइल कुमार केसरी कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इस प्रतियोगिता में जिलेभर के पहलवानों ने भाग लिया और अपने दमखम का प्रदर्शन किया। गांव दौलतपुर निवासी सज्जन पहलवान ने इस प्रतियोगिता में 74 से 125 किलो भारत वर्ग में भाग लेते हुए फतेहाबाद के सभी पहलवानों को हराकर फतेहाबाद केसरी का खिताब जीता। सज्जन पहलवान ने इस जीत का श्रेय अपने कोच अनिल कुमार को दिया। सज्जन ने बताया कि वह भोडियाखेड़ा खेल स्टेडियम में कोच अनिल के पास पिछले काफी समय से प्रैक्टिस कर रहा है। इसी प्रैक्टिस की बदौलत आज जिले का नाम रोशन किया है।

# व्यापारी प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी कैमरे लगाते समय रखें सावधानीः एसपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

पुलिस अधीक्षक डॉ. मयंक गुप्ता ने कहा कि आधुनिकता के इस युग में सीसीटीवी कैमरों का अपराध एवं अपराधियों को पकडऩे में बड़ा महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से पुलिस आरोपियों तक पहुंच सकती है और वारदात को अंजाम देने वाले अपराधियों को जेल की सलाखों के पीछे भिजवाने में काफी मदगार साबित हो रहे हैं। जि ला पुलिस की ओर से सीसीटीवी कैमरों के संबंध में विशेष एडवाजरी जारी करते हुए एसपी गुप्ता ने आमजन से आह्वान किया कि वे दुकान, मकान व अन्य संस्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाते समय विशेष सावधानी व सतर्कता बरतें तथा उच्च क्वालिटी के हाई-रेजोल्यूशन कैमरे लगवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कई बार सीसीटीवी कैमरे लगवाते समय हम ध्यान नहीं देते और कैमरे दुकान या मकान के गेट पर कैमरे की फ्रंट साइड को ज्यादा नीचे की तरफ करके लगा देते हैं, जिस कारण आने जाने वाले व्यक्ति के चेहरे को अच्छी तरह से कवर नहीं कर पाते। प्रायः देखने में आया है कि अपराधी चोरी की वारदारत को अंजाम देकर मौका से फरार हो जाते हैं और जब पुलिस मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लेकर दुकानों या मकानों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालती है तो सीसीटीवी फुटेज में सिर्फ अपराधी के सिर या बालों की फुटेज दिखाई देती है, जिससे पुलिस को जांच में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरा को उचित ऊंचाई पर लगाना सुनिश्चित करें ताकि शरारती तत्व या आपराधिक किस्म का व्यक्ति आसानी से उसे बंद न कर पाए। एडवाजरी में उन्होंने कहा कि सीसीटवी कैमरे लगवाते समय यह भी सुनिश्चित करना होगा कि किसी अन्य व्यक्तिगत विशेष के क्षेत्र को कवर न करें।

- उच्च क्वालिटी के हाई-रेजोल्यूशन कैमरे लगावाएं

### श्री खाटू श्याम धाम में हुई भजन संध्या

**सिरसा।** रानियां रोड स्थित श्री खाटू श्याम धाम में निर्जला एकादशी पर भजन संध्या का आयोजन किया गया। मंदिर के प्रवक्ता दीपेश गोयल ने बताया कि सर्वप्रथम मंदिर के पुजारी रामशरण, उमेश व विजेंद्र ने विधिविधान से संरक्षक भारतभूषण गुप्ता की देखरेख में पूजा अर्चना करवाई। इसके बाद बाबा को भंडारे के रूप में ठंडाई का भोग लगाकर श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित किया गया। इसी उपलक्ष्य में मंदिर प्रांगण में भजन संध्या आयोजित की गई, जिसमें मंदिर कमेटी के प्रधान डॉ. श्याम सुंदर गुप्ता व डॉ. मनदीप सिंह ने अपनी मधुर वाणी से बाबा की महिमा का गुणगान किया। आरती के बाद श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित किया गया। वहीं शनिवार को द्वादशी के मौके पर भी बाबा को खीर-चूरमे का भोग लगाकर भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया।

## साइबर ठगी : दोस्त बनकर युवक को फोन कर 15 हजार करवाए ट्रांसफर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

साइबर ठगों ने फतेहाबाद के एक युवक को अपने जाल में फंसाते हुए उससे 15 हजार रुपये हड़प लिए। ठगों ने युवक को उसका दोस्त बनकर फोन किया और एमरजेंसी होने के नाम पर उससे 15 हजार रुपये ट्रांसफर करवा लिए। इस मामले में साइबर फतेहाबाद पुलिस ने पीड़ित युवक की शिकायत पर अज्ञात ठग के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी शिकायत में जसवंत निवासी भिरड़ाना ने कहा है कि उसकी 6 महीने से गांव सुखलमपुर निवासी प्रवीण के साथ दोस्ती है। गत दिवस उसके मोबाइल पर एक फोन आया। फोन करने वाले युवक ने कहा कि वह उसका दोस्त प्रवीण बोल रहा है। उसे एमरजेंसी में 15 हजार रुपयों की जरूरत है। वह बताए गए मोबाइल फोन पर 15 हजार रुपये ट्रांसफर कर दें, वह कल उसे यह पैसे वापस लौटा देगा। जसवंत ने कहा कि इसके बाद उसने बताए गए नंबर पर अपने फोन से 5 हजार रुपये और गांव माजरा के प्रकाश सिंह जोकि सीएससी सैंटर चलाता है, को फोन करके 10 हजार रुपये ट्रांसफर करवा दिए। दो दिन बाद जब वह रतिया गया तो वहां उसे उसका दोस्त प्रवीण मिला। जब उसने प्रवीण से पैसे वापस देने बारे कहा तो प्रवीण ने कहा कि कौन से पैसे।उसने कोई फोन नहीं किया।

समाजहित कार्यों को प्राथमिकता देगी महासभाः गुप्ता

# चौधरी देवीलाल गोशाला में किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा द्वारा चौधरी देवीलाल गौशाला में पौधारोपण अभियान चलाया गया। जिलाध्यक्ष मनीष गुप्ता ने बताया कि करीब डेढ़ साल पूर्व महासभा का गठन किया गया था। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा महिलाओं के लिए एक सिलाई सेंटर खोला गया है। इसके साथ-साथ गरीब कन्या की शादी में सहयोग की बात हो, विद्यार्थियों की पढ़ाई में सहयोग, किसी जरूरतमंद के उपचार में सहयोग की बात हो अग्रवाल महासभा ने प्रथम पंक्ति में खड़े होकर सहयोग किया। गुप्ता ने कहा कि महासभा का उद्देश्य अग्रवाल समाज को एकत्रित कर एक मंच पर लाने का है। उन्होंने बताया कि नशे को लेकर भी महासभा द्वारा जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। चौधरी देवीलाल गौशाला के प्रधान जोगेंद्र नागपाल ने महासभा का पौधारोपण के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि पिछले कोरोना के समय में लोगों ने ऑक्सीजन के कारण बड़ी समस्या झेली थी, हजारों लोगों ने ऑक्सीजन की कमी के कारण दम तोड़ा था।



**सिरसा।** चौधरी देवीलाल गौशाला में पौधारोपण करते हुए।

विश्वकर्मा कॉलोनी में वारदात

# बंद पड़े मकान में लाखों की चोरी, दुबई की करंसी व पूजा घर से गुल्लक ले उड़े चोर

पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की, अन्य घर से मोटर चोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भट्टूकलां

चोरों ने शुक्रवार रात्रि फतेहाबाद रोड पर स्थित विश्वकर्मा कॉलोनी, भट्टू मंडी के एक घर में चोरी की वारदात को अंजाम देते हुए घर में रखे सोने के जेवरात व नगदी पर हाथ साफ कर दिया। इस बारे सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत में विश्वकर्मा कॉलोनी मोहिनी पत्नी सुरेंद्र खोथ ने बताया कि शुक्रवार रात्रि को वह अपने मायके पीली मंदोरी गई हुई थी। तभी देर रात्रि को उसके घर में चोरों ने घर के मुख्य दरवाजे व अंदर के दरवाजों के ताले तोडक़र चोरी को अंजाम दे डाला। मोहिनी ने बताया कि उसका पति सिरसा में प्राइवेट नौकरी करता हैं व रात्रि को वह घर पर नहीं आए। रात्रि को चोरों ने उसके घर में घुसकर अलमारी के सारे ताले तोड़ दिए और सामान बिखेर दिया। चोर अलमारी में जेवरात और नगदी चोर कर ले गए। जब वह वापस घर आई तो उसे चोरी का पता चला और उसने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। महिला ने कहा कि चोर उसके मकान से चार सोने की अंगूठियां, दो तोले सोने की चैन, एक जोड़ी कानों की बाली, दो जोड़ी चांदी की पाजेब, 60 हजार की नगदी व पांच सौ रियाल दुबई की करंसी के साथ-साथ घर में बने पूजा घर में रखे गुल्लक से भी लगभग दो हजार रूपये चुरा ले गए है। चोरीशुदा सामान की कुल कीमत करीब 6 लाख रुपये बताई गई है। महिला के घर चोरी से पूर्व उनके घर से थोड़ा सा आगे एक अन्य घर से भी पानी की मोटर को भी चुरा ले गए। इस बारे सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और चोरों की तलाश शुरू कर दी है।





### ग्रामीणों को किया बाल श्रम के प्रति जागरूक

**सिरसा।** राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जोधपुरिया के विद्यार्थियों द्वारा बाल श्रम निषेध के प्रति जन जागरूकता हेतु एक रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में विद्यालय की प्राचार्या मंजू कासनिया, सरपंच वेद प्रकाश थोरी एवं हरविंदर प्रवक्ता, देवेंद्र शिक्षक, राजपाल शिक्षक की उपस्थिति रही। बच्चों ने हाथों में स्लोगन पोस्टर लेकर ग्रामीणों को बाल श्रम के विरुद्ध जागरूक किया। इसके पश्चात समर कैंप के अंतर्गत कल्चर गतिविधियों का आयोजन किया गया। पंजाब में कार्यरत शिक्षक राजपाल ने प्रार्थना सभा में विद्यार्थियों को शब्द कीर्तन से जोड़ा एवं सिख संस्कृति व परंपराओं की जानकारी दी। साथ ही बच्चों को गुरु घर साहुवाला प्रथम का भ्रमण करवाया गया, जहां उन्हें सिक्ख धर्म के गुरुओं के ऐतिहासिक योगदान से अवगत कराया गया तथा सभी विद्यार्थियों ने सामूहिक लंगर में भाग लेकर आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक अनुभव प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रवक्ता हरविंदर ने भारत की नदियों, पर्वतों एवं ऐतिहासिक स्मारकों की विस्तृत जानकारी देकर विद्यार्थियों को भारतीय सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराया। इस मौके पर शिक्षक मौजूद रहे।

जवान ने पहला वेतन गोशाला को किया समर्पित

# भारतीय सेना के जवान सुनील निराणिया का ढुकड़ा में स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चोपटा

क्षेत्र के गांव ढुकड़ा के युवा सुनील निराणिया ने भारतीय सेना में चयन के बाद अपना प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया, जिसके उपरांत गांव लौटने पर उनका भव्य स्वागत किया गया।

ढोल-नगाड़ों, फूल मालाओं और देशभक्ति के नारों के साथ पूरे गांव ने गौरव और उत्साह से उनका अभिनंदन किया। गांव की पुरानी परंपरा रही है कि जब कोई युवा सेना में भर्ती होता है, तो समस्त ग्रामवासी उसका सार्वजनिक अभिनंदन करते हैं। उसी परंपरा का पालन करते हुए गांव की गौशाला में स्वागत समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें सभी आयु वर्ग के लोग और गांव के प्रमुख व्यक्तिउपस्थित रहे। इस अवसर पर एक भावपूर्ण संदेश सभी के हृदय को छू गया कि सेना का प्रशिक्षण शरीर को थकाता है, पर मन को कसता है। यही वह तप है, जो एक सैनिक को साधारण से असाधारण बनाता है। सुनील निराणिया ने न केवल इस तपस्या को सहा, बल्कि पूरे आत्मबल के साथ उसे पूरा कर गांव का गौरव बढ़ाया। इस पावन अवसर पर सुनील निराणिया ने अपनी पहली सैलरी गौ माता की सेवा हेतु गांव की गौशाला को समर्पित की। उन्होंने कहा कि सेना की सेवा करना मेरा कर्तव्य है और गौ सेवा मेरे जीवन की आस्था है। इसलिए वेतन गोसेवा के लिए दिया।

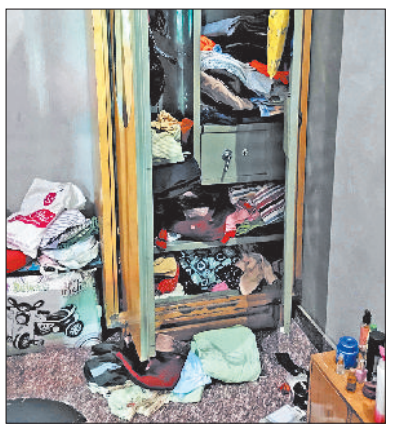

**सिरसा।** गांव ढुकड़ा में भारतीय सेना के जवान सुनील निराणिया का स्वागत करते हुए।



न्यायालय परिसर में पौधारोपण करते सेशन जज पुनीष जिंदिया।

### जिला न्यायालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

**सिरसा।** जिला न्यायालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला एवं सत्र न्यायाधीश पुनीष जिंदिया ने न्यायालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजन वालिया, अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नितिन किनरा, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव प्रवेश सिंगला सहित न्यायालय के अन्य न्यायिक अधिकारीगण व कोर्ट स्टाफ ने भी पौधे लगाए। जिला एवं सत्र न्यायाधीश पुनीष जिंदिया ने कहा कि पौधे हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। केवल पौधा लगाना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उसकी देखभाल भी आवश्यक है, ठीक उसी प्रकार जैसे हम अपने बच्चों की परवरिश करते हैं। उन्होंने कर्मचारियों से आह्वान किया कि वे अपने जन्मदिन, पारिवारिक अवसरों अथवा किसी सामूहिक आयोजन के दौरान पौधे लगाने की आदत को अपनाएं, ताकि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में योगदान दिया जा सके।

### जीजा को कमरे में बंद कर पीटने वाला साला गिरफ्तार, साथियों की तलाश जारी

**फतेहाबाद।** अपने जीजा को कमरे में बंद कर अपने साथियों के साथ मिलकर उसकी पिटाई करने के मामले में रतिया पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान गुरप्रीत सिंह पुत्र रूप सिंह निवासी गांव सरदारेवाला के रूप में हुई है। थाना सदर रतिया प्रभारी उपनिरीक्षक राजबीर सिंह ने बताया कि यह मामला 3 जून को गांव बलियाला निवासी मनदीप सिंह की शिकायत पर दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता के अनुसार, उसकी शादी लगभग चार वर्ष पूर्व गांव सरदारेवाला निवासी ज्योति से हुई थी। शादी के बाद उसकी पत्नी अधिकांश समय अपने भाई गुरप्रीत सिंह के पास ही रहती थी। दो महीने पूर्व ज्योति अपने मायके आई और मनदीप से कहा कि अब उसे भी मायके में ही रहना होगा, जिस पर मनदीप ने असहमति जताई। 2 जून को ज्योति ने फोन कर मनदीप को उसे लेने के लिए बुलाया।

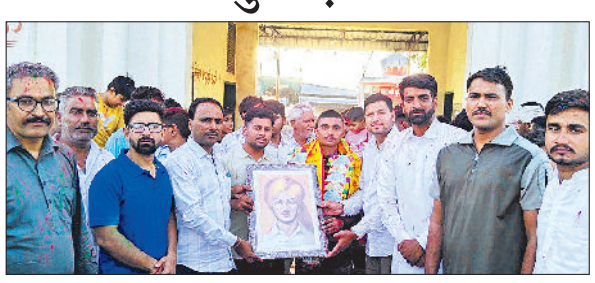

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 8814999173, 9253681005

### पंडित भगवत दयाल शर्मा यूनिवर्सिटी में तान्या ने पाया तीसरा

**सिरसा।** राजेंद्रा इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसिज के अध्यक्ष एनके गुप्ता ने कहा कि यदि विद्यार्थी समाज में अपने लक्ष्य की ओर एकाग्रचित होकर आगे बढ़े तो निश्चित ही सफलताएं सुनिश्चित होती हैं। ऐसा ही कुछ उनके संस्थान की जीएनएम द्वितीय वर्ष की छात्राओं ने कर दिखाया है। पंडित भगवत दयाल शर्मा यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसिज रोहतक की ओर से घोषित जीएनएम द्वितीय वर्ष के परीक्षा परिणामों में उनके संस्थान की छात्रा तान्या ने 700 अंकों में से 576 अंक लेकर पूरे हरियाणा में तीसरा व जिले में पहला स्थान हासिल किया है। इतना ही नहीं संस्थान की ही छात्रा सीमा ने 700 अंकों में से 558 लेकर जिलेभर में दूसरा व छात्रा प्रीति ने 700 अंकों में से 556 अंक लेकर जिलेभर में तीसरा स्थान हासिल कर संस्थान को गौरवान्वित किया।

कार्यक्रम | सामाजिक कुरीतियों के साथ अन्य मुद्दों पर मंथन करेंगे चौधरी

# खाप पंचायतों व सरपंच एसोसिएशन की महापंचायत 22 को उचाना में, लव इन रिलेशनशिप पर होगी चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| टोहाना

जींद जिले के उचाना में 22 जून को सरपंच एसोसिएशन और खाप पंचायतों की महापंचायत होगी। इस महापंचायत में लव इन रिलेशनशिप के बढ़ते मामलों सहित कई अहम मुद्दों पर चर्चा की जाएगी जिसे समाज बचाओ का नाम दिया गया है। हरियाणा सरपंच एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष रणबीर गिल ने आज पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि इस महापंचायत में हजारों लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। इससे पहले निजी मैरिज पैलेस में हुई बैठक में कई गांवों के सरपंच और उनके प्रतिनिधि मौजूद थे। रणबीर गिल ने कहा कि वर्तमान में समाज में कई बुराईयां बढ़ रही हैं। युवक-युवतियां एक ही गांव और गोत्र में शादियां कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि चिकित्सकों के अनुसार यह वैज्ञानिक दृष्टि से भी उचित नहीं है। इससे बीमारियों का खतरा बढ़ता है। टोहाना में हाल ही में एक घटना का जिक्र करते हुए रणबीर गिल ने बताया कि लिव-इन में रह रही एक महिला और उसके प्रेमी की हत्या उसके पति ने कर दी। महिला ने अपने बच्चों और पति को छोड़ दिया था। इस घटना से तीन परिवार बर्बाद हो गए और बच्चों का भविष्य भी प्रभावित हुआ। रणबीर ने केंद्र सरकार से लिव-इन पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि जब सरकार तीन तलाक को समाप्त कर सकती है, तो लिव-इन पर भी कड़े कदम उठाने चाहिए।

**टोहाना।** पत्रकारों से बातचीत करते हुए रणबीर गिल।

### सरकार से सकारात्मक सहयोग मिला

रणवीर गिल ने कहा कि कहा खाप पंचायत इस मसले को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से भी मिली थी। सीएम ने इस मुद्दे को सकारात्मक बताते हुए सहयोग करने की बात कही थी। रणवीर ने कहा कि लव मैरिज एक्ट को खत्म तो नहीं किया जा सकता लेकिन सरकार को उसमें संशोधन करना चाहिए, ताकि सामाजिक ताना-बाना बना रहे और ग्रामीण हो या शहरी क्षेत्र सभी का आपसी भाईचारा बना रहे। रणबीर ने कहा कि प्रदेश के सभी 90 विधायकों को सर्व समाज की इस मुहिम का समर्थन देना चाहिए क्योंकि वे सामाजिक व्यक्ति है और एक विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते है।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 8 जून 2025

समय तेजी से बदल रहा है। हर रोज तकनीक नए अवतार में सामने आ रही है। जाहिर है, ऐसे में सर्वाइव करने और ग्रो करने के लिए खुद को लगातार अपडेट करना जरूरी है। अच्छी बात है कि इस बात की महत्ता को समझते हुए आज के युवा अपनी स्किल्स डेवलपमेंट के लिए लगातार प्रयासरत हैं।

# युवा नई स्किल्स सीखकर लगातार हो रहे अपडेट

{ कवर स्टोरी/ डॉ. मोनिका शर्मा }

तेजी से बदलते इस दौर में नई सोच ही नहीं न्यू एज स्किल्स भी आवश्यक हैं। आज के युवाओं को सेल्फ डेवलपमेंट की सोच में व्यक्तित्व ही नहीं कौशल को भी रखना होगा। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम का अनुमान है कि 2030 तक 85 फीसदी ऐसी नौकरियां मौजूद होंगी, जो बिल्कुल नए क्षेत्रों से जुड़ी होंगी। यानी, रोजगार के ऐसे फील्ड और अवसर, जो अभी तक अस्तित्व में नहीं हैं। इसलिए युवाओं में एडॉप्टिबिलिटी और नया सीखने की सोच जरूरी है। देखने में आ रहा है कि सरकार और कंपनियां भी निरंतर कौशल विकास की जरूरत पर बल दे रही हैं। असल में तकनीकी तरक्की और कॉर्पोरेट दुनिया के तेजी से बदलते परिवेश में नए लोगों को ही नहीं पहले से जुड़े कर्मचारियों को भी लगातार नई स्किल सीखनी जरूरी है।

## बदलते हालातों से तालमेल

बदलाव के प्रति खुला रुख और बदलती परिस्थितियों के साथ तालमेल बैठाने की सोच आज के समय में बहुत आवश्यक है। एडॉप्टिबिलिटी से जुड़ा यह भाव वह सॉफ्ट स्किल है, जिस पर सीखने-समझने की लगातार चलने वाली प्रक्रिया टिकी होती है। असल में एडॉप्टिबिलिटी का मतलब ही नई परिस्थितियों के लिए खुद को तैयार रखना है। बदलती स्थितियों के साथ आसानी से ढलने की क्षमता जुटाना है। बदलाव के लिए लचीला रुख रखना है। तकनीकी दुनिया में एआई से लेकर प्रोफेशनल वर्ल्ड में लोगों से जुड़ाव की राह चुनने तक, पेशेवर दुनिया में नित नया सीखते रहने की प्रवृत्ति आज के समय की जरूरत है। आज टेक्नोलॉजी, इंडस्ट्रीज, सर्विस सेक्टर हर फ्रंट पर बदलाव आ रहा है। काम-काजी दुनिया की बदलती अपेक्षाओं के अनुरूप ढलना जरूरी है। स्किल्स और माइंडसेट के मोर्चे पर स्वयं को संवारते रहने से ही अपडेट रहा जा सकता है। सुखद है कि युवा अपनी स्किल को निखारने को प्राथमिकता भी दे रहे हैं।

## मिलते हैं अनेक फायदे

उम्र के हर पड़ाव पर ही कुछ नया सीखना या सीखते रहना आत्मविश्वास की सौगात देता है। बात जब काम-काजी दुनिया में अपनी जमीन पुख्ता करने में जुटे युवाओं की हो तो, यह पहलू और अहम हो जाता है। असल में अपनी स्किल्स निखारने से जॉब में सुरक्षा मिलती है। किसी क्षेत्र विशेष में पहचान बनाने का अवसर मिलता है। मौजूदा नौकरी में तो आगे बढ़ने के अवसर मिलते ही हैं, करियर के नए दरवाजे भी खुलते हैं। मानसिक रूप से यह स्थिति तनाव से भी दूर रखती है, क्योंकि आने वाले समय के लिए खुद को तैयार करने के प्रयास हर तरह की असुरक्षा से दूर रखते हैं। नई स्किल्स सीखने से हर इंसान को अपने आप के बारे में अच्छी और सकारात्मक अनुभूति होती है। अपनी क्षमता के प्रति बने विश्वास से मन अधिक सशक्त महसूस करता है। काम-काजी दुनिया में इस मनःस्थिति के साथ चुनौतियों का सामना करना और आसान हो जाता है। नए स्किल्स सीखने से नए लक्ष्य बनाने और पाने की भी हिम्मत मिलती है। परिस्थितियों के अनुसार कौशल निखार से मिला आत्मविश्वास अनमोल होता है। ऐसे भरोसे से लबरेज मन-मस्तिष्क, हर हाल में कुछ बेहतर करने का मार्ग खोज लेता है। समझना मुश्किल नहीं कि फील्ड चाहे कोई भी हो, योग्यता के मोर्चे पर बेहतरी की ओर बढ़ते जाना कभी व्यर्थ नहीं जाता। *

### डेवलप होती है पर्सनालिटी

**फॉर्मल डिग्री** के बाद भी कुछ नया सीखते रहना व्यक्तित्व विकास में भी सहायक होता है। नए स्किल्स सीखना अपने ज्ञान को बढ़ाना है। अपनी कार्यक्षमता को बेहतर करना है। समय के साथ चलते रहने की सोच को सही दिशा देना है। खासकर सॉफ्ट स्किल्स को बेहतर करना अच्छी निर्णय क्षमता, प्रभावी कम्युनिकेशन और समस्याओं का समाधान तलाशने में मददगार साबित होता है। ऐसे सभी पहलू व्यक्तित्व विकास से ही जुड़े होते हैं। यही बातें युवाओं की पर्सनालिटी को इंप्रेसिव बनाती हैं। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के अनुसार, व्यक्ति की पर्सनालिटी उसके स्थाई व्यवहार, विचार, इमोशनल पैटर्न और क्षमताओं को लिए होती है। कॉग्निटिव बिहेवेरियल थेरेपिस्ट और 'द फील गुड जर्नल' के लेखक लुडोविका कोलेला के मुताबिक 'व्यक्तित्व, व्यवहार और विचार पैटर्न का एक संयोजन होता है, जो समय के साथ अपेक्षाकृत स्थिर होता जाता है।' ऐसे में पर्सनल ग्रोथ और पर्सनालिटी डेवलपमेंट, दोनों ही सिस्टमेटिक ढंग से कुछ ना कुछ सीखते रहने से गहराई से जुड़े हैं। साथ ही खुद को सक्रिय रखने के लिए भी न्यू स्किल्स सीखना आवश्यक है। इस तरह नया स्किल, वर्किंग फील्ड में तो बेहतरी से जुड़ा ही है, युवाओं के व्यक्तित्व विकास का भी अहम पहलू है।

# अपनी बिजी लाइफ में भी कुछ पल हों दोस्तों के लिए

{ रिलेशनशिप / संध्या सिंह }

वैसे तो आज के दौर में हर व्यक्ति समय की कमी का रोना रोता रहता है। लेकिन इस बिजी लाइफ में भी अगर कुछ पल आप अपने दोस्तों के साथ बिताते हैं तो इसके कई तरह के फायदे आपको मिलेंगे, जीवन में हमेशा जीवंतता बनी रहेगी।

हर रोज सुबह घर से निकलकर पूरा दिन ऑफिस में काम करने के बाद ट्रैफिक और भीड़ की मुश्किलें झेलने के बाद घर पहुंचकर आप अपने कंफर्टेबल जोन में आ जाते हैं। अपने लिए चाय बनाते हैं और किसी किताब को पढ़ने या कोई मनपसंद फिल्म देखने की सोचते हैं। तभी आपके दोस्त का फोन आता है, जिसकी आपके साथ काफी दिनों से मुलाकात नहीं हुई है। वह आपको रात के समय फिल्म देखने के लिए बोलता है तो आप कहते हैं कि नहीं, अब मेरा कोई मूड नहीं है। लेकिन दोस्त 10-15 मिनट के बाद आपको लेने के लिए आ जाता है। मन नहीं होने के बावजूद आप फिल्म देखने चले जाते हैं। लंबे समय के बाद दोस्त से मिलकर, फिल्म देखकर, उसके साथ वक्त बिताकर आपको बहुत अच्छा लगता है। क्या आपने भी ऐसा महसूस किया है?

**तनाव होता है कम:** यह सच है कि आज के समय में घर से ऑफिस और ऑफिस से घर की व्यस्त दिनचर्या में आपको दोस्तों से मिलने का ख्याल ही नहीं आता है। थकान और तमाम उलझनों के कारण उनके लिए समय निकालना आपके लिए संभव भी नहीं होता। लेकिन विभिन्न सर्वेक्षण इस बात का दावा करते हैं कि अपनी व्यस्त दिनचर्या में भी दोस्तों के लिए वक्त निकालना, आपको काफी हद तक तनावमुक्त करता है। दोस्तों से मिलना, उनके साथ समय बिताना उस समय और जरूरी हो जाता है, जब आप किसी तरह की समस्या से जूझ रहे होते हैं। जाहिर सी बात है, दोस्त के साथ मिलने पर आप उनके साथ अपनी समस्या शेयर करते हैं। आपका दोस्त आपकी समस्या को ध्यान से सुनता है और उसे नए तरीके से देखने और समझने के लिए आपको बहुत सी नई बातें बताता है, जिससे आपको अपनी वो छोटी सी समस्या जितनी पहले बड़ी लग रही थी, अब और छोटी दिखती है।

**ऐसे बिताएं समय:** यह जरूरी नहीं कि आप अपने पार्टनर के साथ ही घूमने के लिए जाएं। अपने दोस्तों के साथ भी ट्रिप का प्रोग्राम बना सकते हैं। ऐसी ट्रिप, जिसमें सिर्फ आप अपने आपको और दोस्तों को समय दें। न आपके पास लैपटॉप हो, न ई-मेल चेक करने का झंझट और अपने स्मार्टफोन को भी आप दिन के समय या कुछ खास आवर्स में स्विच ऑफ कर दें केवल दोस्तों के साथ घूमने का आनंद लें, घूमें, फिरें और पार्टी करें। उनके साथ मिलकर मूवी देखें, कांसर्ट में शिरकत करें। कोई प्ले देखें। इस तरह की गतिविधियों में शिरकत न करने के कारण हम सामाजिक गतिविधियों से दूर हो जाते हैं। ये वही मौके हैं, जिनके द्वारा आप आपने को सोशलाइज्ड कर सकते हैं।

**अलग होता है मिलने का आनंद:** अगर आपका दोस्त तनाव में है और वह खुद अपने को घर में बंद कर लेता है, अलग-थलग रहकर वह चिड़चिड़ा और तनावग्रस्त हो जाता है तो यही वह समय है, जब आप उसको उसकी बंद दुनिया से बाहर लाकर अपना सहारा दे सकते हैं। भले ही आजकल मोबाइल फोन, व्हाट्सएप कॉल, ई-मेल या एसएमएस के जरिए हम दोस्तों से कनेक्ट होते हैं, लेकिन वर्चुअल दुनिया से निकलकर आमने-सामने की बातचीत का कोई विकल्प नहीं होता।

**मिलने की करें पक्की प्लानिंग:** हम अकसर अपने दोस्तों से मिलने की प्लानिंग तो बहुत करते हैं, लेकिन मिल नहीं पाते। इसके लिए हर बार की मीटिंग के बाद अगली बार मिलने की एक तारीख निर्धारित कर लें और उसके लिए किसी भी सूरत में समय निकालें। जीवन की आपा-धापी के बीच दोस्तों के लिए समय जरूर निकालें। तो अगली बार जब आपसे कोई कहे कि चलो मिलते हैं, इसे एक अनिश्चित समय के लिए न टालें। मोबाइल फोन निकालकर कैलेंडर देखकर तुरंत पहले से एक तारीख तय कर लें और अपने शेड्यूल को उसी हिसाब से अडजेस्ट करके अगली बार जरूर मिलें। *

# बोरियत को कहें बाय-बाय जिंदगी में भरें नई उमंग

वजहें अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन बोरियत की फीलिंग कभी न कभी सभी को होती है। ऐसे में उसकी वजह तलाशें, उसका समाधान करें और जिंदगी को नई उमंग के साथ जीना शुरू करें।

{ लाइफस्टाइल / शैलेंद्र सिंह }

किसी ने सच ही कहा है, चलती का नाम जिंदगी है। लेकिन कभी-कभी अपनी जिंदगी से बोरियत महसूस होने लगती है। बोर होने का मतलब है रुकावट, थकावट, कल्पनाहीनता वगैरह-वगैरह। सवाल है, ऐसी स्थिति में क्या किया जाए? हमें समझना होगा कि जब तक हम कल्पनाशील नहीं होंगे, बोरियत को दूर करने की चेष्टा नहीं करेंगे, तब तक बोरियत हमें अपने चंगुल में जकड़े रखेगी। बोरियत होने के दौरान हमें कोई भी चीज अच्छी नहीं लगती। दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि बोरियत एक किस्म का डिप्रेशन है। इसलिए जैसे ही आप बोरियत महसूस करें तुरंत समझ जाएं कि आपके साथ कुछ गड़बड़ है।

**बोरियत का मतलब:** आमतौर पर बोरियत एक जैसी स्थिति से होती है। एक ही तरह के खाने से, एक ही तरह के कपड़ों से, एक ही तरह के काम से, एक ही जगह रहने से, एक जैसी बातों से और एक जैसे रिश्तों से। कुल मिलाकर बोरियत की तह में है एकरसता। अतः जीवन में एकरसता से बचना चाहिए।

**क्यों होती है बोरियत:** यह कोई बंधा-बंधाया नियम नहीं है कि बोरियत वही महसूस करेगा, जो शादी-शुदा हो। आजकल काम-काजी जीवन से जूझ रही युवा लोग भी बोरियत के चंगुल में बहुत जल्दी आ जाते हैं। वे चाहते हुए भी इससे दूर नहीं हो पाते। इसका सीधा सा जवाब यह है कि उनके पास सोशल होने का समय नहीं होता है। दोस्तों से झगड़ने का समय नहीं है। अपनों से बात करने का समय नहीं है। पार्टी करने का समय नहीं है। समय के अभाव के चलते बोरियत हमारी जिंदगी में गहरे तक घर कर गई है। बोरियत बड़े पैमाने पर प्रेमियों के संबंधों में देखने को मिलती है। हैरानी की बात यह है मौजूदा समय में बोरियत ने सबसे ज्यादा युवा कपल को ही घेरे रखा है, क्योंकि उनके पास एक-दूसरे के लिए समय नहीं है। इस तरह उनके जीवन में एकरसता बहुत आसानी से आ जाती है। वे ऊब से भर जाते हैं।

**ऐसे करें बोरियत दूर:** पुरुषों को यह समझना चाहिए कि आमतौर पर हर महिला की जिंदगी में उसका प्यार सबसे ज्यादा मायने रखता है। चाहे उसके पास करने को बहुत कुछ हो, चाहे उसके पास सोचने को बहुत कुछ हो, बावजूद इसके उनके जीवन में अपना पार्टनर सबसे खास होता है। लेकिन जैसे ही उसे महसूस होने लगे कि उसका पार्टनर काम के दबाव के चलते उसे नजरंदाज कर रहा है तो वह गहरे तक अवसादग्रस्त हो जाती है। वे मनोवैज्ञानिक तौर पर बुरी तरह आहत हो जाती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं कि मन ही मन कुढ़ना स्वास्थ्य पर बुरा असर डालता है। इसलिए पुरुषों को चाहिए कि वे अपनी पार्टनर को समय दें और अपने जीवन से बोरियत दूर रखें।

**इन पर भी करें अमल:** कपल्स के लिए यह भी जरूरी है कि हमेशा रोमांटिक बने रहें। चाहे स्थितियां कैसी भी क्यों न हो, अपने पार्टनर का सम्मान करें और उसे अपना पूरा समय दें। खासतौर पर पुरुषों को चाहिए कि वे अपनी पार्टनर को जरा भी नजरंदाज न करें। बोरियत से बचने के लिए हमेशा खुद में नए-नए बदलाव करते रहें। कभी-कभी घर को भी नया लुक देकर बोरियत से दूर हुआ जा सकता है। लड़कियों के लिए खुद को सजाना हमेशा दिलचस्पी भरा होता है। बोरियत घेर रही हो तो खुद को संवारें। यही नहीं रोमांसपूर्ण आकर्षण बनाए रखने के लिए कोशिश करें कि वही ड्रेस पहनें जो एक-दूसरे को अच्छे लगें। अचानक का स्पर्श भी आकर्षण बढ़ाता है, इसलिए मौका बे मौका एक-दूसरे को चुपके से छुएं जब दूसरा किसी और काम में खोया हो। इस तरह से दोनों के बीच लगाव बना रहेगा, जो बोरियत से दूर रखती है। जो लोग सिंगल है, वे अपने दोस्तों के साथ आउटिंग और हैंगआउट कर सकते हैं। बोर शब्द बेहद सामान्य प्रतीत होता है और लगता है कि कुछ घंटों में ही हम सामान्य हो जाएंगे। लेकिन ऐसा नहीं हो पाता, क्योंकि बोरियत दीमक की तरह है जो धीरे-धीरे अंदर की जीवंतता को निचोड़ लेती है। इसलिए अपने आस-पास के माहौल में भी निरंतर तब्दीलियां करें और रिश्तों में हमेशा गर्मजोशी बनाए रखें। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

## शोधपरक-संग्रहणीय पुस्तक

हिंदी पत्रकारिता के इतिहास का विधिवत विवरण वर्ष 1826 से मिलता है, जब 'उदंत मार्तंड' साप्ताहिक समाचार पत्र के माध्यम से जुगल किशोर शुक्ल ने इसकी शुरुआत की। इसके लगभग 50-55 वर्ष के बाद ही वर्ष 1882 में हिंदी बाल पत्रकारिता की भी नींव पड़ी। उसके बाद से लेकर इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक तक पहुंचने की अपनी यात्रा में बाल पत्रकारिता, किन-किन सोपानों से होकर गुजरी, किन विभूतियों ने बाल पत्रकारिता को दिशा देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया और किन प्रमुख बाल पत्रिकाओं ने बाल पाठकों को आकृष्ट करने में महती भूमिका निभाई, इन तमाम पक्षों पर विस्तार से और पूरी प्रामाणिकता के साथ ब्योरा प्रस्तुत करती है, कुछ समय पूर्व छपकर आई पुस्तक-हिंदी बाल पत्रकारिता का इतिहास। इसे सुप्रसिद्ध बाल साहित्यकार डॉ. सुरेंद्र विक्रम ने लिखा है। इस किताब को कुल पांच अध्यायों में बांटा गया है। पहले अध्याय में वर्ष 1882 से 1947 तक, दूसरे अध्याय में 1948 से 1960 तक, तीसरे अध्याय में 1961 से 2000 तक, चौथे अध्याय में 2001 से अब तक की बाल पत्रकारिता पर विहंगम दृष्टि डाली गई है। पांचवें अध्याय में हस्तलिखित बाल पत्रिकाओं का दुर्लभ विवरण दिया गया है। परिशिष्ट में सौ से अधिक बाल पत्रिकाओं के मुख पृष्ठ का संकलन लेखक के समर्पण और अथक परिश्रम को सिद्ध करता है। कुल मिलाकर यह एक शोधपरक-संग्रहणीय किताब है। *

**पुस्तक:** हिंदी बाल पत्रकारिता का इतिहास, **लेखक:** डॉ. सुरेंद्र विक्रम, **मूल्य:** 600 रुपए, **प्रकाशक:** भावना प्रकाशन, दिल्ली

# भूखे भजन न होय गोपाला

अब सब लोग गोला बनाकर खड़े हो गए और एक-दूसरे का सामान आपस में बांटने लगे। फिर सबने खाना शुरू किया। खाते-खाते बात करने लगे, 'आज खाने में बहुत मशक्कत हुई। इसे कह सकते हैं कि हम लोग मेहनत करके ही खाते हैं।'

{ व्यंग्य / रमेश सैनी }

रामलाल बहुत सहनशील सहिष्णु लंबी सोच वाले व्यक्ति हैं। उनकी सोच बहुत उदारवादी है। *जीना ऐसा ना कोई से दोस्ती ना काहू से बैर। जहां काम पड़े अपना, अपना लो भले हो गैर।* यह उनके जीवन का फलसफा है। वे रोज सुबह चाय-पान के बाद अखबार पढ़ते हैं। उसमें भी सबसे पहले सिटी पेज में साहित्यिक, धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक कार्यक्रमों की सूचना पढ़ते हैं। लंबे अनुभव ने उन्हें सिखा दिया है कि किस आयोजन में स्वरुचि भोजन की व्यवस्था है। अनेक बार यह संयोग हो जाता है कि एक ही दिन में दो-चार आयोजन स्वरुचि भोज वाले की संभावना होती है। तब यह कयास लगाते हैं कि सबसे अच्छा भोज कहां पर होगा? तब वे उस आयोजन में ठाठ-बाट के साथ सम्मिलित हो जाते हैं। वे साहित्यक, धार्मिक और राजनीतिक आयोजनों के हिसाब से ड्रेस का चयन करते हैं। रामलाल जी अभिनय कला में मास्टर हैं। जहां जैसी जरूरत पड़ी, वैसा अपने को ढाल लेते हैं।

वे कुछ दिन पहले एक साहित्यिक आयोजन में मिल गए। आजकल आयोजन में भी भीड़ जुटाने के लिए स्वरुचि भोज रख लेते हैं। ऐसे में आयोजक को लगता है कि काफी भीड़ जुटी है और आयोजन सफल हो गया है। आयोजक भी श्रोताओं की सहनशक्ति, धैर्य और विश्वास की परीक्षा लेते हैं, उन्हें लगता है अगर शुरुआत में ही भोज रख दिया तो लोग खाकर आयोजन से निकल लेंगे। इस वजह से कार्यक्रम के बाद भोज रखते हैं। पर आयोजक डार-डार और श्रोता पात-पात। कुछ लोग समूह बनाकर आयोजन को सफल बनाने में योगदान देते हैं। ऐसे समूह में जो चतुर-चालाक और समझदार किस्म के लोग होते हैं, उन्हें आयोजन में शुरुआत में भेज देते हैं। उन्हें अकल होती है कि आयोजन कब खत्म होगा उसका अनुमान लगा लेते हैं। फिर वे कार्यक्रम खत्म होने के आधा-पौन घंटा पहले फोन कर देते हैं। तब उनके लोग भोज प्रारंभ होने के पहले भोजन स्थल पर पहुंच जाते हैं। रामलाल जी इसी तरह वर्षों से आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान दे रहे हैं।

उस रोज भी आयोजन समाप्त होने पर, जैसे ही स्वरुचि भोज आरंभ हुआ वहां उपस्थित अधिकांश लोग हमलावर के रूप में भोजन के स्टॉल पर टूट पड़े। मैं भी भीड़ में लग गया और सबके साथ धक्के खाकर भोजन के स्टॉल तक पहुंच गया। फिर धक्के से आगे बढ़ा तो सलाद, अचार और पापड़ के पास पहुंचा। मेरे आगे खड़े सज्जन मेरी दयनीय स्थिति को देखकर द्रवित हो गए और टमाटर के आठ-दस टुकड़े, दस-बारह पापड़ के टुकड़े मेरी प्लेट में रख दिए। फिर उन्होंने मुट्ठी भर अचार के टुकड़े मेरी प्लेट पर पटक दिए। मैं वहीं रुककर उन्हें कातर निरीह नजरों से देखने लगा। पर भीड़ को मेरा इस तरह रुककर देखना पसंद नहीं आया और मुझे धक्का मार कर लाइन से अलग कर दिया। फिर मैंने अपनी नजरें चारों ओर दौड़ाईं, शायद कोई पहचान वाला मिल जाए। तब देखा रामलाल आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। काफी कशमकश के बाद वे हार मान गए और लाइन से बाहर आ गए। मैंने दूर से उन्हें इशारा किया, यहां कैसे? मेरे पास आकर बोले, 'भाई साहब ने बुलाया था, तो मजबूरन आना पड़ा।' यह उनका तकिया कलाम है। मैंने देखा उनकी प्लेट में सिर्फ दाल ही दाल दिख रही थी। मैंने पूछा, 'यह क्या, सिर्फ दाल! किसी वैद्य ने कहा है?' इस पर मुस्कुरा कर बोले, 'सिर्फ दाल ही ले पाया। आगे बढ़ने से पहले ही भीड़ के धक्के ने इस शरीफ आदमी को समुद्र की लहर की भांति बाहर कर दिया।' यह कहकर वे एक किनारे खड़े हो चारों तरफ देखने लगे। उनकी नजर लाइन में लगे लोगों से टकराई। एक इशारा आया। उन्होंने संकेत भाषा में उत्तर दिया। तब वह आदमी दो कदम आगे बढ़ा। चार-छः कटोरी प्लेट में रखी और उनमें रायता भरकर बाहर आ गया। मुझे आश्चर्य हुआ। एक ही जगह से बाहर कैसे आ गया? उस आदमी ने आगे खड़े दो-तीन लोगों को संकेत किया। उन्होंने भी संकेत में अपना अभिप्राय बताया, फिर वे लोग एक-एक कर बाहर आकर खड़े हो गए। मैंने देखा एक की कटोरियों में पनीर की सब्जी भरी है और साथ में दस-पंद्रह रोटियां। दूसरे की कटोरियों में रसगुल्ले ही भरे पड़े हैं और तीसरे की प्लेट में चावल या उसे पुलाव कहा जाए पूरी तरह लबालब भरा हुआ है। चौथे आदमी की प्लेट में आठ-दस कटोरियों में खीर थीं। अब सब लोग गोला बनाकर खड़े हो गए और एक-दूसरे का सामान आपस में बांटने लगे। फिर सबने खाना शुरू किया। खाते-खाते बात करने लगे, 'आज खाने में बहुत मशक्कत हुई। इसे कह सकते हैं कि हम लोग मेहनत करके ही खाते हैं।' मैं भी उनके साथ खड़ा था। उन्होंने मुझ पर दया कर कुछ चीजें मेरी प्लेट में रख दीं।

अब सबके साथ मैं भी खाने लगा पर धीरे-धीरे। तब उनमें से एक ने कहा, 'भाई साहब, संकोच मत करिए, दिल खोलकर खाइए। हम मेहनत का खा रहे हैं। आप तो निश्चिंत होकर खाएं। इस सुरुचि भोज को हम लोग सहभागी भोज बनाकर एक पिकनिक सा आनंद लेते हैं।' तब मैंने उनसे कहा, 'आज का कार्यक्रम बहुत अच्छा रहा।' उनमें से दूसरा बोला, 'कार्यक्रम! हमें तो समझ में नहीं आया, हमारा पूरा ध्यान कार्यक्रम के बाद भोज में ही रहा। भोजन अच्छा, तो कार्यक्रम अच्छा। अन्यथा सब बेकार है। आखिर हम लोग खाना खाने के लिए ही तो जीते हैं और जीने के लिए ही खाते हैं। हमारे यहां कहावत है-भूखे भजन न होय गोपाला।' यह कह वे चुप होकर मुझे देखने लगे और मैं उन्हें। *

अनोखा शहर
शिखर चंद जैन

# बहुत अजब-अनूठा है आइस सिटी हार्बिन

भारत के पड़ोसी मुल्क चीन का शहर हार्बिन अपने आप में कई सारी खूबियां समेटे हुए है। 'आइस सिटी' यानी 'बर्फ का शहर' नाम से मशहूर यह शहर अपने ठंडे-बर्फीले वातावरण के साथ-साथ यहां के दर्शनीय स्थलों और विभिन्न आयोजनों की वजह से दुनिया भर में मशहूर है।

कभी-कभी आपके मन में ख्याल आता होगा कि कितना अच्छा हो कि इस चिलचिलाती धूप और झुलसा देने वाली गर्मी से बचने के लिए हम किसी बर्फ के शहर में पहुंच जाएं। यह सिर्फ किस्सों-ख्यालों की बात नहीं है। दुनिया में वास्तव में मौजूद है एक ऐसा ठिकाना जो कहलाता है, बर्फ का शहर। जी हां, हम बात कर रहे हैं चीन में बसे अनूठे शहर हार्बिन की।

**हार्बिन का इतिहास:** इस अनूठे शहर की स्थापना रूस द्वारा एक बस्ती के रूप में की गई थी। इसका निर्माण व्लादिवोस्तोक और रूसी पोर्ट आर्थर (अब डालियान) के बीच रेलवे

(1896-1904 में निर्मित) को सपोर्ट देने के लिए किया गया था। यह कभी सोंगहुआ नदी पर स्थित एक साधारण गांव था, जहां के वाशिंदों की आजीविका का मुख्य साधन मछली पकड़ना था। बाद में बड़ी संख्या में रूसी और यूरोपीय प्रवासी हार्बिन में आए, जिससे शहर में विदेशी संस्कृति और स्वाद आया। ये लोग अपने साथ अपनी यूरोपीय परंपराएं और मान्यताएं भी लेकर आए। इन्हीं सब कारणों से हार्बिन का रंग-ढंग और यहां की संस्कृति बदली।

**मिली-जुली संस्कृति:** 'आइस सिटी' यानी 'बर्फ का शहर' के नाम से मशहूर हार्बिन, चीन के हेइलोंगजियांग प्रांत की राजधानी है। यहां की संस्कृति, वास्तुकला और जीवनशैली रूस, जापान समेत यूरोप और एशिया के कई देशों से प्रभावित है। हार्बिन पर्यटन की दृष्टि से दुनिया के लोकप्रिय स्थलों में से एक है। वास्तुकला के उत्कृष्ट नमूने जैसे- पुराना क्वार्टर, सेंट सोफिया कैथेड्रल, सेंट्रल एवेन्यू (पैदल यात्री सड़क), स्टालिन पार्क आदि यहां के खास आकर्षण हैं।

**इस वजह से रहता है ठंडा:** आप सोच रहे होंगे कि हार्बिन का मौसम इतना बर्फीला, इतना ठंडा क्यों है? दरअसल, साइबेरिया और मंगोलियाई पठार से ठंडी हवा पूर्व और दक्षिण की ओर यानी सीधे हार्बिन के ऊपर से बहती हैं, जिससे हार्बिन एक 'बर्फीला शहर' बन जाता है। इसके अलावा, हार्बिन एक तटीय शहर नहीं है। यह जापान सागर से 500 किमी से अधिक दूर है, इसलिए प्रशांत महासागर की गर्म धाराओं से कम ही प्रभावित होता है। इसलिए हार्बिन पश्चिमी यूरोप और जापान के शहरों की तुलना में अधिक ठंडा होता है। हार्बिन में सबसे ठंडा महीना जनवरी होता है, जब यहां का तापमान औसतन माइनस 18 डिग्री सेल्सियस (0 डिग्री फारेनहाइट) होता है।

**हार्बिन आइस एंड स्नो वर्ल्ड:** यहां का सबसे लोकप्रिय स्थान हार्बिन आइस एंड स्नो वर्ल्ड है, जो एक जमे हुए डिजनीलैंड की तरह दिखता है। इसमें आप बर्फ के महल, कार्टून, मूर्तियां देख सकते हैं और बर्फ के खेल और गतिविधियों की विविधता का आनंद ले सकते हैं। हार्बिन का आइस पार्क लगभग 8,10,000 वर्ग मीटर में फैला है, जो असंख्य मानव-निर्मित बर्फ की मूर्तियों, महलों एवं अन्य आकृतियों से सुसज्जित है। सूर्यास्त के बाद कृत्रिम रोशनी से जगमगाती ये मूर्तियां और आकृतियां पारंपरिक चीनी शैली की इमारतों से लेकर आकर्षक परीकथा महल और बीजिंग के स्वर्ग के मंदिर की याद दिलाती हैं। इसे सोंगहुआ नदी की लगभग 250,000 घन मीटर बर्फ से तैयार किया गया है। यहां दुनिया के सबसे बड़े बर्फ महोत्सव का आयोजन किया जाता है।

**अनोखा है बर्फ महोत्सव:** हार्बिन अंतरराष्ट्रीय बर्फ और बर्फ मूर्तिकला महोत्सव यहां आने वाले पर्यटकों को विशेष रूप से आकर्षित करता है। यहां 300 फुटबॉल मैदानों के बराबर क्षेत्रफल में एक 'आइस सिटी' बनाई जाती है, जिसमें लगभग 500 मिलियन डॉलर की लागत आती है। इस बर्फीले परिदृश्य के बीच, पर्यटक स्कीईंग के साथ-साथ बर्फ पर बाइकिंग का भी आनंद ले सकते हैं। बर्फ महोत्सव के दौरान यहां का तापमान माइनस 35 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। हार्बिन का बर्फ महोत्सव पर्यटकों और फोटोग्राफरों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र है।

**अन्य गतिविधियां:** बर्फ महोत्सव में पर्यटक पांच अलग-अलग थीम पार्कों का भ्रमण कर सकते हैं। ये थीम पार्क हैं- सन आइलैंड इंटरनेशनल स्नो स्कल्पचर आर्ट एक्सपो, हार्बिन आइस एंड स्नो वर्ल्ड, हार्बिन वांडा आइस लैंटर्न वर्ल्ड, झाओलिन पार्क आइस लैंटर्न आर्ट फेयर और सोंगहुआ रिवर आइस एंड स्नो कार्निवल। सन आइलैंड इंटरनेशनल स्नो स्कल्पचर आर्ट एक्सपो में दुनिया भर के कलाकारों द्वारा बनाई गई विशाल बर्फ की मूर्तियां प्रदर्शित की जाती हैं। हार्बिन वांडा आइस लैंटर्न वर्ल्ड और झाओलिन पार्क आइस लैंटर्न आर्ट फेयर में आकर्षक आइस लैंटर्न प्रदर्शन किए जाते हैं। हार्बिन वांडा आइस लैंटर्न वर्ल्ड में एक हजार से अधिक रोशन लालटेन और सैकड़ों मूर्तियां प्रदर्शित की जाती हैं, जिनमें स्थानीय लोगों और कॉलेज के छात्रों द्वारा जटिल नक्काशीदार आर्ट्स शामिल हैं। झाओलिन पार्क, जहां आइस लैंटर्न शो और गार्डन पार्टी का आयोजन किया जाता है, शाम को रंगीन लालटेन से आगंतुकों को चकाचौंध कर देता है, साथ ही यहां लाइव बर्फ-नक्काशी प्रतियोगिताएं भी होती हैं। रोमांच पसंद करने वालों के लिए, बर्फ की चट्टान पर चढ़ना, बर्फ पर तीरंदाजी, बर्फ पर गोल्फ और स्नोबॉल की लड़ाई जैसी गतिविधियां भी यहां होती हैं। हार्बिन आइस एंड स्नो वर्ल्ड, इस आयोजन का सबसे जीवंत स्थल है, जहां स्केटिंग, स्कीइंग, बर्फ की भूल-भुलैया और बर्फ पर बाइकिंग की सुविधा भी है। रोमांच चाहने वाले सुपर स्लाइड पर रोमांचक सवारी का आनंद ले सकते हैं, जिनमें से कुछ 1,000 फीट तक ऊंचे हैं। *

### मिला संगीत शहर का खिताब

**हार्बिन में** संगीत की ऐतिहासिक एवं समृद्ध परंपरा रही है। यहां संगीत को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर संगीत के विविध आयोजन किए जाते हैं। साल 2010 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा इसे संगीत का शहर घोषित किया गया था।

### प्रमुख रेलवे केंद्र

**हार्बिन पूर्वोत्तर** चीन का प्रमुख उत्तरी रेलवे केंद्र है। साथ ही यह चीन और पूर्वोत्तर एशिया को जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण रेलवे केंद्र है। चीन के पूर्वी रेलवे के निर्माण के क्रम में हार्बिन का विकास हुआ, इसलिए चीनी कहते हैं कि हार्बिन 'ट्रेनों द्वारा परिवहन किया जाने वाला शहर' है।

# सेल्फ ग्रोथ के लिए अच्छी नहीं दूसरों में कमी खोजने की आदत

कुछ लोग हमेशा दूसरों में कमियां खोजते रहते हैं। इससे वे स्वयं में जरूरी बदलाव नहीं कर पाते हैं। इस बैड हैबिट के क्या नुकसान हो सकते हैं और इससे बचने के लिए क्या करना चाहिए, बहुत उपयोगी सलाह।

मोटिवेशन
शिखर चंद जैन

एक कहावत है कि अगर आपको हर किसी में खोट और कमी नजर आती है तो कमी दूसरों में नहीं बल्कि आप में है। इसका मतलब यह है कि आप ऐसे लोगों में से एक हैं, जिन्हें चांद में दाग दिखता है लेकिन उसका धवल प्रकाश, शीतल चांदनी और लुभावना आकार नजर नहीं आता। आपको गुलाब में कांटे दिखते हैं, लेकिन उसकी मनभावन खुशबू को आप महसूस नहीं कर पाते। इसके विपरीत जब आप दूसरों की विशेषताएं उनकी सफलता, समृद्धि और अच्छी आदतों को देखना और जज्ब करना सीख जाते हैं तो आप खुद की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करने लगते हैं। आप आगे बढ़ना चाहते हैं तो दूसरों की अच्छाइयों को अपनाएं और अपनी कमियों को पहचान कर उन्हें दूर करें।

**कोसना बंद करें:** कुछ कारणों से अगर आप वांछित तरक्की नहीं कर पाए हैं या अपने लक्ष्य हासिल नहीं कर पाए हैं तो इसके लिए दूसरों को दोष देना या अपनी तकदीर को कोसना बंद करें। हर सुबह एक नई ऊर्जा, स्वप्रेरणा और फोकस के साथ उठें और अपनी तरक्की के लिए स्वयं सचेष्ट होने का प्रण लें। नकारात्मक विचारों को मन से निकाल फेकें और दूसरों को नियंत्रित करने के ख्याल मन में लाने की बजाय अपने क्रिया-कलाप को नियंत्रित करें ताकि आप सही दिशा में कार्यशील रहें।

**नजरिया रखता है मायने:** हमारा दिमाग चीजों को कैसे देखता है उस पर भी हमारे जीवन का बेहतर होना निर्भर करता है। मैसाचूसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में कॉग्निटिव न्यूरोसाइंस की प्रोफेसर टेलीशेरोट कहती हैं कि जिंदगी को बेहतर बनाने के प्रयासों के साथ-साथ हमें इसे बेहतर तरीके से देखना भी सीखना होगा। इसके लिए हमें अपने आस-पास मौजूद हमारे घर में उपलब्ध उन चीजों और लोगों का महत्व समझना होगा, जो न होतीं तो हमारा जीवन कैसा होता? फिर इस बात पर गौर करना होगा कि कौन से छोटे-छोटे बदलाव हमें बेहतर बना सकते हैं?

**एवरेज मानसिकता से उबरें:** अगर आपको आगे बढ़ना है और उन चंद लोगों की सूची में खुद को देखना है, जो आमजन से अलग और ऊपर हैं तो आपको 95 फीसदी लोगों की नहीं सफलतम 5 फीसदी लोगों की आदतों को अपनाना होगा। जाने-माने मोटिवेशनल लेखक रॉबिन शर्मा ने अपनी पुस्तक 'द 5 एएम क्लब' में लिखा है कि अपने दिन की शुरुआत एक लक्ष्य और ऊर्जा के साथ करें। केवल मानसिकता और आशावाद पर ही निर्भर ना रहें। इन सबके साथ-साथ संतुलन पर भी ध्यान दें। अपने स्वास्थ्य, मन और आत्मा पर भी ध्यान दें और उनकी ताकत का इस्तेमाल करें।

**इस प्रवृत्ति से स्वयं को रोकें:** विशेषज्ञ कहते हैं कि हम अपने आस-पास के लोगों की बेकार में ही कमियां ढूंढते रहते हैं, जबकि उनसे हमारा कोई लेना-देना नहीं होता। इसके लिए आपको सतर्क रहना होगा। खासकर तब जब आप किसी के रूप, रंग और व्यवहार को लेकर नकारात्मक धारणाएं बना रहे होते हैं। मनोचिकित्सक कहते हैं कि जब आप किसी की आलोचना करें या कमियां निकालें तो सबसे पहले खुद का आकलन करें।

**इस आदत के नुकसान:** हमेशा दूसरों में कमियां ढूंढने से आपकी सहानुभूति और समानुभूति से जुड़ी समझ और भावनाएं धुंधली पड़ सकती हैं। नए दृष्टिकोण के प्रति आपकी ग्रहणशीलता कम हो जाती है। आप यह सोच ही नहीं पाते कि आपसे अलग भी कोई सोच सही और उपयोगी हो सकती है। आप हमेशा तुरंत प्रतिक्रिया करने की ओर अधिक प्रवृत्त हो सकते हैं। आपको लगने लगता है कि आप किसी की जितनी ज्यादा कमियां ढूंढेंगे आपको उतना ही ज्यादा बेहतर महसूस होगा। इससे आपकी सोच प्रभावित होगी और ग्रोथ प्रभावित होगी। *

### लोगों को जज ना करें

**अकसर व्यवहारगत** कारण हमारी तरक्की की राह में रुकावट बनते हैं। सफल लोगों की कुछ खास आदतें विनम्रता, परोपकार और मिलनसारिता उन्हें आगे ले जाती हैं। 'व्हाट गॉट यू हियर वॉन्ट गेट यू देयर' के लेखक मार्शल गोल्डस्मिथ कहते हैं कि सफल लोगों के विचार ठोस होते हैं और उन्होंने अपने लिए ऊंचे मानक तय किए होते हैं। इसलिए अपनी आदतों के प्रति सजग रहें। लोगों को थैंक यू बोलना सीखें और सुनने की कला विकसित करें।

रोचक / अपराजिता

समय की सटीक गणना करना हमें जितना आसान लगता है, उतना होता नहीं है। इसमें कई फैक्टर्स काम करते हैं। समय की सटीक गणना करने की प्रक्रिया कब कैसे शुरू हुई, जानिए।

# आज भी आसान नहीं है समय की सटीक गणना

अगर आपने कभी समय की सटीक सूक्ष्मता पर गंभीरता से नहीं सोचा तो एक मायने में कहना होगा कि आप समझदार और व्यावहारिक व्यक्ति हैं, क्योंकि भले आम आदमी के लिए आज टाइम या समय जानना बेहद आसान हो। हम मोबाइल से लेकर लैपटॉप तक कहीं भी एक नजर डालकर पलक झपकते समय जान लेते हों। लेकिन अगर आप समय को भौतिक विज्ञान की नजर से समझने में रुचि रखते हैं तो समझ लीजिए आपके लिए सही समय जानना, वाकई रॉकेट साइंस जैसा जटिल हो जाएगा। जी हां, तकनीक के इस अतिविकसित काल में भी सही समय जानना और लगातार सही समय के साथ संपर्क में रहना कितना जटिल है, इसे वही लोग जानते हैं, जिन्हें हम टाइम कीपर कहते हैं।

**इसलिए होता है कठिन:** सटीक समय जानना इसलिए कठिन होता है क्योंकि समय की सटीकता केवल घड़ी देखने तक सीमित नहीं होती है, बल्कि यह वैश्विक संचार, नेविगेशन, वित्तीय लेन-देन और वैज्ञानिक अनुसंधानों से गहराई से जुड़ी हुई स्थिति है। टाइमकीपर्स के लिए यह एक बड़ी चुनौती इसलिए होती है, क्योंकि समय का प्रवाह पूर्णतः स्थिर नहीं होता। सापेक्षता के सिद्धांत के अनुसार, गुरुत्वाकर्षण और गति का प्रभाव भी समय को थोड़ा बहुत प्रभावित करता है। उदाहरण के लिए, पृथ्वी की सतह की तुलना में उपग्रहों पर लगी घड़ियां थोड़ा अलग गति से चलती हैं। साथ ही पृथ्वी की घूर्णन गति में छोटे-छोटे परिवर्तन होते हैं, जिससे कभी-कभी 'लीप सेकेंड' जोड़ना पड़ता है। दुनिया भर को हर पल सही समय के साथ रखने के लिए परमाणु घड़ियों के नेटवर्क को सिंक करना जरूरी होता है, क्योंकि जीपीएस, इंटरनेट, बैंकिंग सिस्टम और टेलीकॉम नेटवर्क इसी सटीक वैश्विक समय पर निर्भर करते हैं। इस सबके लिए माइक्रोसेकेंड (1 सेकेंड का दस लाखवां भाग) के स्तर की सटीकता चाहिए होती है, जो बनाए रखना किसी भी क्षण आसान नहीं होता है।

**इसलिए सटीकता है जरूरी:** आज के दौर में समय की सटीकता का रिश्ता, साइबर सुरक्षा से भी जुड़ गया है। आधुनिक समय-संकेतों को साइबर हमले से सुरक्षित रखना जरूरी है। यदि किसी देश का टाइम-सिग्नल हैक हो जाए, तो बैंकिंग, इंटरनेट और सैन्य सिस्टम प्रभावित हो सकते हैं। समय को सटीकता के पैमाने पर खरा बनाए रखने के लिए भिन्न समय मानकों के साथ सौ फीसदी सटीक तालमेल जरूरी होता है। आज इंसान को हर पल जो यह सटीक समय जानने की सुविधा है, वह कई शताब्दियों के वैज्ञानिक प्रयासों का नतीजा है। लेकिन इसे बनाए रखना लगातार जटिल होता जा रहा है, खासकर जब माइक्रोसेकेंड और नैनोसेकेंड की सटीकता की जरूरत बढ़ती जा रही हो। *

## सही समय जानने की यात्रा

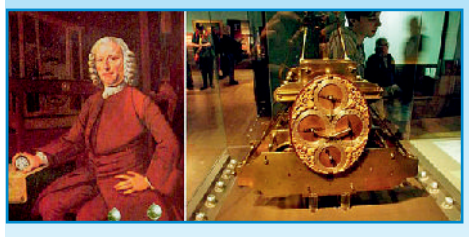

**इंसान को** सटीक समय जानने की सुविधा कब और कैसे मिली? इस सवाल का जवाब है, प्राचीन काल में कई प्रयोगों के बाद यह सौगात हासिल हुई है। पहले सूर्यघड़ी और जलघड़ी जैसी तकनीकों से समय मापा जाता था, लेकिन ये मौसम और भौगोलिक स्थितियों पर निर्भर हुआ करती थी। इसके बाद आया यांत्रिक घड़ियों का युग (13वीं-14वीं सदी)। सबसे पहले यूरोप में यांत्रिक घड़ियां बनीं, लेकिन इनमें लाख कोशिशों के बावजूद कुछ मिनटों का फर्क रह जाता था। इन्हीं दिनों यानी अठारहवीं शताब्दी में समुद्री यात्रा में सटीक समय जानना अनिवार्य हो गया, क्योंकि तभी समुद्री जहाज अपनी सही स्थिति जान सकते थे। इस सिलसिले में सन 1761 में जॉन हैरिसन ने पहला समुद्री क्रोनोमीटर बनाया, जिससे सटीक समय मापना संभव हुआ।

**समय का** पहिया आगे बढ़ा फिर 19वीं सदी में रेलवे और टेलीग्राफ का युग आया। आगे चलकर ट्रेनों के समय समन्वय के लिए भी सटीक समय जानना जरूरी हो गया। सन 1884 में पहली बार वैश्विक समय-क्षेत्र यानी टाइम जोन बनाए गए। साथ ही इसी दौर में टेलीग्राफ नेटवर्क ने एक घड़ी को दूसरी से जोड़कर सही समय पहुंचाने में मदद की। सही समय जानने का अगला तरीका था परमाणु घड़ी। बीसवीं सदी का यह समय सचमुच अल्ट्रा-सटीक समय था। सन 1949 में पहली परमाणु घड़ी बनी, जिसने

माइक्रोसेकेंड स्तर की सटीकता दी। इससे भी आगे 1967 में सेसियम परमाणु घड़ी के आधार पर सेकेंड को परिभाषित किया गया। भला तब कौन जानता था कि आने वाले दिनों में जीपीएस और इंटरनेट आने वाला है, जिसके लिए टाइम की नैनो सेकेंड तक की सटीकता की दरकार होगी। आज जीपीएस सैटेलाइट्स परमाणु घड़ियों का उपयोग करके हमें सटीक समय देते हैं। आज इंटरनेट टाइम प्रोटोकॉल से दुनिया भर के कंप्यूटर और स्मार्टफोन सही समय सिंक कर पाते हैं।

जंतु-जगत
रजनी अरोड़ा

# विलुप्ति की कगार पर हैं ये जंतु प्रजातियां

दुनिया में कई जीव-जंतु की प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर हैं। इनकी संख्या दिन-ब-दिन कम होती जा रही है। विलुप्ति के कगार पर पहुंच चुके ऐसे ही कुछ संकटग्रस्त पशु-पक्षियों के बारे में आपको जरूर जानना चाहिए।

### हॉक्सबिल टर्टल

इस समुद्री कछुए का शिकार इसके खूबसूरत कवच के लिए किया जाता है। समुद्री प्रदूषण और आवास विनाश भी इसके लिए खतरा है। दुनिया में इनकी अनुमानित संख्या 8,000-10,000 है।

वैज्ञानिकों का अनुमान है कि पृथ्वी पर जीव-जंतुओं, पशु-पक्षियों की ज्ञात प्रजातियों की संख्या लगभग तेरह लाख है, जिनमें से हम तकरीबन 14 प्रतिशत के बारे में ही जानते हैं। लेकिन अब एक लाख से अधिक प्रजातियों पर लुप्त होने का खतरा मंडरा रहा है। मानव की बढ़ती जरूरतों की खातिर जंगलों की अंधाधुंध कटाई, जीव-जंतुओं के प्राकृतिक आवास का अतिक्रमण, उनका अवैध शिकार और उनके विभिन्न अंगों की तस्करी या व्यापार, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन... ऐसी अनेक वजहों से कई जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियां गंभीर रूप से संकटग्रस्त हैं। इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) की रेड लिस्ट, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ और अन्य जैव संरक्षण संगठनों के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार दुनिया में जीव-जंतुओं की एक लाख से अधिक प्रजातियां संकट में हैं, जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

**अमूर तेंदुआ:** यह दुनिया का सबसे दुर्लभ तेंदुआ प्रजाति है, जो रूस और चीन के सीमावर्ती जंगलों में पाए जाते हैं। इनकी कुल संख्या केवल 100 के आस-पास बची है। इसके सुंदर धब्बेदार फर के लिए इसका शिकार किया जाता है। इसके अलावा जंगलों की कटाई और इनब्रीडिंग की वजह से भी इसका अस्तित्व संकट में है।

**सुमात्रन गैंडा:** यह दुनिया का सबसे छोटा और दो सींग वाला गैंडा है, जो अब केवल

इंडोनेशिया के कुछ इलाकों व सुमात्रा द्वीप में बचे हैं। इनके भी लगभग 80 सदस्य ही बचे हैं। शिकार और आबादी का विखंडन इसके लिए मुख्य खतरे हैं।

**बोर्नियन-सुमात्रन ओरंग उटान:** ये एशिया के वर्षावनों में पाए जाते हैं। जंगलों की कटाई (खासकर पाम ऑयल के लिए), शिकार और आगजनी की वजह से इनकी संख्या तेजी से घट रही है। इंडोनेशिया के सुमात्रा में लगभग 14,000 ओरंग उटान बचे हैं।

**क्रॉस रिवर गोरिल्ला:** यह अफ्रीका के कुछ जंगलों में पाया जाता है। ये अब मात्र 250-300 की संख्या में बचे हैं। आवास विनाश और शिकार की वजह से इनका अस्तित्व खतरे में है।

**व्हेल शार्क:** दुनिया का सबसे बड़ा स्तनपायी जंतु व्हेल शार्क, शिकार और समुद्री प्रदूषण के कारण संकट में है। दुनिया

में इनकी अनुमानित संख्या 10,000-20,000 के बीच है।

**पैंगोलिन:** एशिया और अफ्रीका में मिलने वाला यह स्केलयुक्त स्तनपायी दुनिया में सबसे ज्यादा तस्करी किया जाता है। ऊंचे दामों पर बिकने वाले इनके स्केल पाने की वजह से इनका शिकार किया जाता है, जिससे इनके विलुप्त होने का खतरा बढ़ गया है।

अनुमान है कि पिछले दशक 10 लाख से ज्यादा पैंगोलिन तस्करी के शिकार हुए।

**गंगा डॉल्फिन:** भारत और पड़ोसी देशों की नदियों में पाई जाने वाली यह डॉल्फिन जल प्रदूषण, बांध और शिकार के कारण संकटग्रस्त है। भारत, नेपाल, बांग्लादेश की नदियों में 3,500-4,000 डॉल्फिन रह गई हैं।

**ग्रेट इंडियन बस्टर्ड:** यह विशाल पक्षी राजस्थान और गुजरात के शुष्क क्षेत्रों में पाया जाता है। इसकी संख्या अब 150 से भी कम रह गई है। यह भारत के सबसे संकटग्रस्त पक्षियों में गिना जाता है। बिजली के तारों से टकराना और अवैध शिकार इसके प्रमुख खतरे हैं। *

### बंगाल टाइगर

भारत का राष्ट्रीय पशु बंगाल टाइगर, विश्व की सबसे प्रतिष्ठित बड़ी बिल्ली प्रजातियों में से एक है। यह मुख्य रूप से संरक्षित क्षेत्रों जैसे सुंदरबन, काजीरंगा, बांधवगढ़, रणथंभौर और कॉर्बेट में पाया जाता है। 20वीं सदी के मध्य तक इसकी संख्या बहुत तेजी से गिर गई थी। आज इनकी संख्या तकरीबन 4 हजार रह गई है। इनकी घटती संख्या का कारण है, खाल के लिए इनका शिकार किया जाना।